Vastu Guruji
Change The Way You Live
वास्तु हेतु संपर्क करें...
मो.नं. 9074110000
9770888888

दैनिक
साकार भारत
रायपुर-आरएनआई रजि. CHHBIL/2023/88684

वर्ष : 3 अंक : 230 पृष्ठ : 8 मुल्य: 1:00 रायपुर, मंगलवार 08 सितंबर, 2026 www.sakarbharat.com

मुख्यमंत्री श्री साय मोर माटी सांस्कृतिक संगठन के तीजा-पोरा तिहार कार्यक्रम में हुए शामिल

तीजा-पोरा तिहार छत्तीसगढ़ की समृद्ध संस्कृति, पारिवारिक मूल्यों व कृषि परंपरा के प्रतीक : सीएम

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय राजधानी रायपुर के कबीर नगर स्थित दशहरा मैदान में मोर माटी सांस्कृतिक संगठन द्वारा आयोजित तीजा-पोरा तिहार कार्यक्रम में शामिल हुए। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि तीजा-पोरा तिहार छत्तीसगढ़ की समृद्ध संस्कृति और परंपराओं के प्रतीक हैं। तीजा हमारी माताओं-बहनों, परिवार और रिश्तों से जुड़ा पर्व है, वहीं पोरा हमारे अन्नदाता किसानों, खेती और पशुधन के सम्मान का पर्व है। ऐसे लोकपर्व हमारी संस्कृति को पीढ़ी-दर-पीढ़ी जीवंत बनाए रखने के साथ समाज में आत्मीयता और समरसता को भी मजबूत करते हैं।

मुख्यमंत्री साय ने मोर माटी सांस्कृतिक संगठन की मांग पर कबीर नगर में सर्व समाज भवन के निर्माण के लिए 50 लाख रुपए देने की घोषणा की। उन्होंने विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय प्रदर्शन करने वाले बच्चों को सम्मानित किया और माताओं-बहनों को तीजा पर्व के अवसर पर साड़ी भेंट की।

मुख्यमंत्री श्री साय ने सभी को तीजा-पोरा तिहार की अग्रिम बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए कहा कि यह प्रसन्नता की बात है कि मोर माटी सांस्कृतिक संगठन द्वारा हर वर्ष इस पर्व को भव्यता और उत्साह के साथ मनाया जाता है। इस आयोजन की सबसे बड़ी विशेषता इसमें सभी समाजों की सहभागिता और समरसता का भाव है। हमारे तीज-त्योहार हमें अपनी जड़ों से जोड़ने के साथ एक-दूसरे के और करीब लाते हैं।

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि हमारी संस्कृति में नारी को सर्वोच्च सम्मान दिया गया है। हमारे शास्त्रों में कहा गया है— 'यत्र नार्यस्तु पूज्यन्ते रमन्ते तत्र देवताः।' तीजा तिहार माताओं-बहनों के त्याग, तप और परिवार के प्रति उनके समर्पण का पर्व है। इस दिन महिलाएं परिवार की सुख-समृद्धि और पति की दीर्घायु की कामना के साथ व्रत रखती हैं, भगवान शिव और माता पार्वती की पूजा करती हैं तथा कथा श्रवण और रात्रि जागरण करती हैं।

उन्होंने कहा कि भारत तीज-त्योहारों का देश है और छत्तीसगढ़ की संस्कृति में इन पर्वों की विशेष महत्ता है। एकादशी और करमा तिहार सहित हमारे अनेक पर्वों के पीछे सामाजिक और सांस्कृतिक संदेश निहित हैं। ये परंपराएं हमारे पूर्वजों की अमूल्य विरासत हैं। इन्हें सहेजना और आगे बढ़ाना हम सभी की जिम्मेदारी है, ताकि आने वाली पीढ़ियां भी अपनी संस्कृति और परंपराओं के महत्व को समझें और उनसे जुड़ी रहें। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि राज्य सरकार गांव, गरीब, किसान और माताओं-बहनों के जीवन में खुशहाली लाने के लिए निरंतर कार्य कर रही है। सरकार बनने के बाद पहली ही कैबिनेट में 18 लाख प्रधानमंत्री आवास की स्वीकृति दी गई। बीते दो वर्षों में 11 लाख से अधिक आवास बन चुके हैं और प्रतिदिन लगभग 1600 आवासों का निर्माण हो रहा है। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ कृषि प्रधान राज्य है। किसानों से 3100 रुपए प्रति क्विंटल की दर से प्रति एकड़ 21 क्विंटल धान खरीदा जा रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि माताओं-बहनों के आर्थिक सशक्तीकरण के लिए महतारी वंदन योजना के माध्यम से प्रतिमाह एक हजार रुपए की सहायता दी जा रही है और अब तक 31 किश्तों का भुगतान किया जा चुका है। उन्होंने कहा कि गांव की महिलाओं के लिए यह राशि आर्थिक संबल का महत्वपूर्ण माध्यम बनी है। महिलाएं इस राशि का उपयोग किराना एवं सब्जी दुकान जैसे छोटे व्यवसाय शुरू करने, सिलाई मशीन खरीदने और बेटियों के भविष्य के लिए सुकन्या समृद्धि योजना में बचत करने जैसे कार्यों में कर रही हैं। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि लंबे समय तक नक्सलवाद छत्तीसगढ़ के विकास की राह में बड़ी बाधा रहा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के नेतृत्व में बनाई गई प्रभावी रणनीति और हमारे सुरक्षाबलों के अदम्य

SHORT NEWS

मंत्रिपरिषद की बैठक 9 को

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की अध्यक्षता में 09 सितम्बर 2026 को पूर्वान्ह 11: 30 बजे से मंत्रिपरिषद की बैठक आयोजित की गई हैं। यह बैठक मंत्रालय महानदी भवन में मंत्रिपरिषद कक्ष एम-5/20 में होगी।

छत्तीसगढ़ में मानसून का संतुलित असर

रायपुर। छत्तीसगढ़ में मानसून की स्थिति फिलहाल संतुलित बनी हुई है। राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग द्वारा 6 सितंबर 2026 की स्थिति में जारी वर्षा के आंकड़ों के अनुसार प्रदेश में 1 जून से अब तक औसतन 926.5 मिलीमीटर वर्षा दर्ज की गई है, जबकि पिछले 10 वर्षों के औसत के आधार पर इस अवधि में 920.3 मिलीमीटर वर्षा अपेक्षित थी। इस तरह प्रदेश में अब तक सामान्य की तुलना में 100.7 प्रतिशत वर्षा हो चुकी है। प्रदेश में आज औसतन 0.3 मिलीमीटर बारिश दर्ज की गई। पिछले 10 वर्षों के औसत वार्षिक वर्षापात की तुलना में प्रदेश में अब तक की वर्षा 1238.7 मिलीमीटर के मुकाबले उल्लेखनीय स्थिति में है।

उप मुख्यमंत्री और कवर्धा विधायक विजय शर्मा कवर्धा में आयोजित दही हांडी उत्सव में हुए शामिल

रायपुर। उप मुख्यमंत्री एवं कवर्धा विधायक विजय शर्मा शनिवार को कवर्धा शहर के गांधी मैदान तथा भारत माता चौक में आयोजित दही हांडी उत्सव में शामिल हुए। इस अवसर पर उन्होंने भगवान श्रीकृष्ण एवं राधा रानी की पूजा-अर्चना कर प्रदेश की सुख-समृद्धि, शांति और खुशहाली की कामना की। कार्यक्रम में उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने परंपरा अनुसार सभी ग्वाला भाइयों का तिलक लगाकर स्वागत किया और उन्हें दही हांडी उत्सव में भाग लेने के लिए आमंत्रित किया। यादव समाज के प्रतिनिधियों ने उन्हें पारंपरिक सम्मान स्वरूप खुमरी पहनाकर आत्मीय स्वागत किया। इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष श्री ईश्वरी साहू, नगर पालिका अध्यक्ष श्री चंद्रप्रकाश चंद्रवंशी, जिला पंचायत उपाध्यक्ष कैलाश चंद्रवंशी, जिला पंचायत सभापति रामकुमार भट्ट, नितेश अग्रवाल सहित समस्त पार्षदगण, जनप्रतिनिधि, शहरवासी और यादव समाज के प्रतिनिधि उपस्थित थे।

उप मुख्यमंत्री एवं कवर्धा विधायक विजय शर्मा ने समस्त शहरवासियों एवं प्रदेशवासियों को कृष्ण जन्माष्टमी की हार्दिक शुभकामनाएं दी। उन्होंने मंच से ही सभी उपस्थित जनों के साथ 'हाथी-घोड़ा-पालकी, जय कन्हैयालाल की' का जयघोष कर उत्सव का उल्लास और भी बढ़ा दिया। उप मुख्यमंत्री शर्मा ने कहा कि गोविंदा उत्सव कवर्धा की गौरवशाली परंपरा है, जो समाज में एकता, भाईचारे और सहयोग की भावना को मजबूत करता है। उन्होंने आगे कहा कि भगवान श्रीकृष्ण का जीवन हम सभी को धर्म, कर्म और कर्तव्य के प्रति प्रेरित करता है। कृष्ण लीला हमें यह संदेश देती है कि अन्याय और अधर्म पर सदैव धर्म की विजय होती है। श्री शर्मा ने सभी युवाओं से आह्वान किया कि वे भगवान कृष्ण के आदर्शों को अपने जीवन में आत्मसात करें और समाज की सेवा में सक्रिय भूमिका निभाएं। दही हांडी उत्सव के दौरान हजारों की संख्या में शहरवासी, समाजजन और विभिन्न संगठनों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे। पूरा शहर कृष्ण भक्ति और जयघोष से गुंजायमान रहा।

मंत्री टंक राम वर्मा की पहल से रोशन होंगे बलौदाबाजार विधानसभा क्षेत्र के 43 गांव

रायपुर। राजस्व एवं उच्च शिक्षा मंत्री श्री टंक राम वर्मा की अनुशंसा पर बलौदाबाजार विधानसभा क्षेत्र के विभिन्न गांवों में हाई मास्ट लाइट (॥द्बद्दद्ध रूड्डह्यह्ल स्रद्बद्दद्धह्ल) स्थापना हेतु 2 करोड़ 6 लाख रुपये की प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान कर दी गई है। ग्रामीण अंचल में बुनियादी सुविधाओं और रात्रि में सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करने की दिशा में बलौदाबाजार विधानसभा क्षेत्र के ग्रामीण अंचलों की सड़कों, चौराहों और सार्वजनिक स्थलों को रात्रि के समय बेहतर प्रकाश व्यवस्था से आच्छादित करने की दिशा में यह एक बड़ी पहल है।

मंत्री टंकराम वर्मा ने इस संबंध में कहा कि बलौदाबाजार विधानसभा क्षेत्र के प्रत्येक गांव में मूलभूत सुविधाओं का विस्तार हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। हाई मास्ट लाइट लगने से ग्रामीण अंचलों में सुरक्षा और सुविधा का नया वातावरण निर्मित होगा। मुख्य चौराहों और प्रमुख स्थलों पर हाई मास्ट लाइट लगने से रात्रि के समय आवागमन सुगम होगा, असामाजिक गतिविधियों पर अंकुश लगेगा और गांव की सुंदरता में भी वृद्धि होगी।

प्रशासकीय स्वीकृति आदेश के अनुसार जनपद पंचायत बलौदाबाजार के अंतर्गत आने वाले प्रमुख ग्रामों एवं सार्वजनिक स्थलों में हाई मास्ट लाइट की स्थापना की जाएगी। जिसमें ग्राम देवरी, लिमाही, भद्रापाली स्थल-1 और 2, गैतरा, भरसेली, सरकीपार, कोकड़ी, भाटागांव और ग्राम चरोटी प्रत्येक गांव के लिए अलग अलग 5 लाख रुपए तथा मगरचबा स्थान 1 और 2, छेरछटा और ग्राम मगरचबा स्थान 3 - हलवाई खपरी के लिए 2 लाख रुपए स्वीकृत किए गए है।

रायपुर और बलौदाबाजार-भाटापारा जिले की विभिन्न ग्राम पंचायतों के लिए कुल 1 करोड़ 50 लाख रुपये की विकास राशि स्वीकृत की गई है।

उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने वेस्ट जोन इंटर स्टेट बैडमिंटन प्रतियोगिता के विजेताओं को किया पुरस्कृत

रायपुर। बिलासपुर के तोरवा के डायमंड स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में खेले गए वेस्ट जोन इंटर स्टेट बैडमिंटन प्रतियोगिता के फाइनल मुकाबलों में खिलाड़ियों ने दमदार खेल कौशल का प्रदर्शन किया। तेज स्मैश, शानदार कोर्ट कवरेज और आखिरी अंक तक जीत के लिए संघर्ष ने मुकाबलों को रोमांच से भर दिया। उप मुख्यमंत्री तथा खेल एवं युवा कल्याण मंत्री श्री अरुण साव ने कहा कि खिलाड़ियों का यह प्रदर्शन उनकी मेहनत, अनुशासन और प्रतिस्पर्धात्मक क्षमता को दर्शाता है।

उप मुख्यमंत्री साव ने आज डिस्ट्रिक्ट बैडमिंटन एसोसिएशन की ओर से आयोजित प्रतियोगिता के विजेता खिलाड़ियों को पुरस्कार प्रदान किए। उन्होंने कहा कि इस तरह की प्रतियोगिताएं खिलाड़ियों को अपनी प्रतिभा दिखाने के साथ उसे और निखारने का बेहतर अवसर देती हैं। मैदान पर खिलाड़ियों का आत्मविश्वास और खेल कौशल देखकर स्पष्ट है कि छत्तीसगढ़ में बैडमिंटन की प्रतिभाएं लगातार आगे बढ़ रही हैं।

साव ने विजेता खिलाड़ियों के उत्कृष्ट प्रदर्शन की सराहना करते हुए उन्हें बधाई दी। उन्होंने कहा कि खेल में जीत महत्वपूर्ण है, लेकिन उससे भी ज्यादा महत्वपूर्ण निरंतर अभ्यास, अनुशासन और बेहतर करने की ललक है। ऐसी प्रतियोगिताओं से खिलाड़ियों को बड़े मुकाबलों का अनुभव मिलता है और वे भविष्य की चुनौतियों के लिए तैयार होते हैं।

राज्यपाल रमेन डेका 'द्रोणाचार्य संगम-2026' में हुए शामिल, कहा-समय का सदुपयोग और परिश्रम ही सफलता की कुंजी

रायपुर। राज्यपाल रमेन डेका शिक्षक दिवस के अवसर पर एसईसीएल-डीएवी पब्लिक स्कूल, वसंत विहार, बिलासपुर में आयोजित 'द्रोणाचार्य संगम-2026' में शामिल हुए। इस अवसर पर शिक्षकों के उत्कृष्ट योगदान का सम्मान किया गया तथा शिक्षा के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य करने वाले शिक्षकों को विभिन्न श्रेणियों में सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए राज्यपाल रमेन डेका ने कहा कि समय का सही उपयोग जीवन में अत्यंत महत्वपूर्ण है। आज का दौर इंटरनेट और तकनीक का दौर है तथा बच्चे तेजी से एक ऐसी दुनिया में बड़े हो रहे हैं, जहां ज्ञान और सूचनाएं आसानी से उपलब्ध हैं। ऐसे में बच्चों और युवाओं को समय का सदुपयोग करते हुए सही दिशा में आगे बढ़ना चाहिए।

राज्यपाल ने कहा कि स्वतंत्रता के बाद देश के शिक्षा क्षेत्र में उल्लेखनीय सुधार हुआ है। उन्होंने प्राचीन भारतीय शिक्षा व्यवस्था का उल्लेख करते हुए कहा कि पुराने समय में गुरुकुल परंपरा के माध्यम से गुरु विद्यार्थियों को शिक्षा और संस्कार प्रदान करते थे। समय के साथ शिक्षा व्यवस्था में व्यापक परिवर्तन हुए हैं और आज आधुनिक शिक्षा के साथ संस्कार एवं मूल्यों का समावेश भी आवश्यक है। उन्होंने विद्यार्थियों को संदेश देते हुए कहा कि परिश्रम करने वालों को निश्चित रूप से सफलता मिलती है। जीवन में निरंतर प्रयास करते रहना चाहिए और चुनौतियों से घबराना नहीं चाहिए।

राज्यपाल ने वरिष्ठ नागरिकों से भी जीवन को सकारात्मक दृष्टिकोण के साथ जीने की अपील की। उन्होंने कहा कि जीवन में जो कुछ मिला है, उसके प्रति संतोष और कृतज्ञता का भाव रखना चाहिए तथा वर्तमान में रहकर जीवन का आनंद लेना चाहिए। उन्होंने देशभक्ति और संस्कारों के महत्व पर जोर दिया। बच्चों में देशभक्ति की भावना विकसित होने से देश को जागरूक और राष्ट्रभक्त नागरिक मिलेंगे। उन्होंने कहा कि समाज के निर्माण में परिवार और शिक्षकों दोनों की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। शिक्षक केवल विद्यार्थियों को पढ़ाने का कार्य नहीं करते, बल्कि समाज को शिक्षित और जागरूक बनाने में भी महत्वपूर्ण योगदान देते हैं।

नौकरी के नाम पर छह लाख की ठगी का आरोप, कृष्णा-प्रणव अवस्थी पर एक और एफआईआर

बलौदाबाजार । फर्जी स्थानांतरण आदेश मामले में जेल में बंद और भाजपा से छह वर्ष के लिए निष्कासित पूर्व जिला महामंत्री कृष्णा अवस्थी तथा उनके पुत्र प्रणव अवस्थी की मुश्किलें लगातार बढ़ती जा रही हैं। अब नौकरी लगाने के नाम पर छह लाख रुपए की कथित ठगी का एक और मामला सामने आया है। ग्राम ओड़ान निवासी पूर्व सरपंच जीवन लाल कमल की शिकायत पर सिटी कोतवाली पुलिस ने दोनों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 318(4) एवं 3(5) के तहत अपराध दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

पूर्व सरपंच से छह लाख लेने का आरोप

एफआईआर के अनुसार जीवन लाल कमल (49) खेती-किसानी करते हैं और ग्राम पंचायत ओड़ान के पूर्व सरपंच रह चुके हैं। शिकायत में उन्होंने आरोप लगाया है कि कृष्णा अवस्थी और प्रणव अवस्थी ने प्राथी सहित सोहन कन्नौजे, डोमार कन्नौजे एवं श्रीराम कन्नौजे को नौकरी लगवाने का भरोसा दिलाया और इसके एवज में उनसे छह लाख रुपए लिए। शिकायतकर्ता के अनुसार 14 सितंबर 2025 को बलौदाबाजार स्थित भाजपा कार्यालय में नौकरी के लिए पहली किस्त के रूप में राशि दी गई थी। इसके बाद आरोपियों की ओर से एक माह के भीतर नौकरी लगवाने का आश्वासन दिया जाता रहा। निर्धारित समय बीतने के बाद भी नौकरी नहीं लगने पर जीवन लाल ने रकम वापस करने की मांग की।

शिकायत के मुताबिक 16 फरवरी 2026 को कृष्णा अवस्थी ने संपर्क कर दूसरी किस्त में बाकी की रकम भी भाजपा कार्यालय में बुला कर ले ली। आरोप है कि उस समय नौकरी लगाने के संबंध में कलेक्टर कार्यालय के पास प्रणव अवस्थी ने मिलने के लिए बुलाया। इसके बाद भी मामला आगे नहीं बढ़ा और शिकायतकर्ता ने पुलिस से कार्रवाई की मांग की।

शिकायत में यह भी आरोप लगाया गया है कि आरोपियों ने नौकरी लगाने के नाम पर अन्य लोगों से भी रकम ली है। हालांकि, अन्य लोगों से रकम लेने संबंधी आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि अभी नहीं हुई है। पुलिस अब शिकायत में बताए गए लेन-देन और पूरे घटनाक्रम की जांच कर रही है।

हर गली-मोहल्ले में सीसीटीवी कैमरे, घर बैठे गांव की निगरानी

जांजगीर-चांपा । ग्राम पंचायत परसदाकला में सरपंच द्वारा गांव की सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करने की दिशा में अनूठी पहल की गई है। पंचायत क्षेत्र की विभिन्न गलियों और मोहल्लों में सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं। इन कैमरों के माध्यम से गांव में होने वाली गतिविधियों पर निगरानी रखी जा रही है।

सरपंच द्वारा लगाए गए सीसीटीवी कैमरों की निगरानी घर बैठे मोबाइल के माध्यम से भी की जा रही है। गांव की गलियों में आने-जाने वाले लोगों तथा सार्वजनिक स्थानों पर होने वाली गतिविधियों पर नजर रखी जा रही है। इससे चोरी, विवाद और अन्य असामाजिक गतिविधियों पर अंकुश लगाने में मदद मिलने की उम्मीद है। ग्रामीणों का कहना है कि गांव की गलियों में सीसीटीवी कैमरे लगने से सुरक्षा को लेकर लोगों में भरोसा बढ़ा है।

पंचायत की इस पहल से गांव में निगरानी व्यवस्था मजबूत हुई है और किसी भी अप्रिय घटना की स्थिति में फुटेज के माध्यम से जानकारी जुटाने में सहायता मिल सकती है।

आकांक्षी जिला एवं विकासखंड कार्यक्रम के सूचकांकों की कलेक्टर ने की समीक्षा

महासमुंद । आकां जिला एवं विकासखंड कार्यक्रम के अंतर्गत गुरुवार को जिला कार्यालय के सभा कक्ष में जिले में निर्धारित विभिन्न सूचकांकों की प्रगति की समीक्षा की गई। कलेक्टर विनय कुमार लंगेह, राज्य नोडल अधिकारी शिवम मिश्रा, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत सु अनुपमा आनंद ने संबंधित विभागों के अधिकारियों की बैठक लेकर सूचकांकों की वर्तमान स्थिति, प्रगति एवं सुधार के लिए किए जा रहे कार्यों की जानकारी ली। बैठक में स्वास्थ्य, शिक्षा, कृषि एवं संबद्ध क्षेत्र, वित्तीय समावेशन, कौशल विकास तथा आधारभूत सुविधाओं से संबंधित संकेतकों पर विस्तार से चर्चा की गई। अधिकारियों को निर्देशित किया

गया कि आकां जिला एवं विकासखंड कार्यक्रम के प्रत्येक सूचकांक को प्राथमिकता के साथ लिया जाए तथा जिन संकेतकों में जिले अथवा विकासखंड की स्थिति अपेक्षाकृत कमजोर है, उनमें सुधार के लिए विभागवार कार्ययोजना बनाकर प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जाए। शिक्षा के संकेतकों पर विशेष फोकस समीक्षा के दौरान शिक्षा विभाग से संबंधित संकेतकों की विशेष रूप से समीक्षा की गई। बैठक के पूर्व राज्य नोडल अधिकारी द्वारा मैदानी निरीक्षण कर वास्तविक स्थिति का जायजा लिया गया एवं सीधे हितग्राहियों एवं ग्रामीणों से चर्चा की गई। बैठक में विकासखंड पिथौरा में हाई एवं हायर सेकेंडरी स्कूलों में 60 प्रतिशत या उससे अधिक अंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों की संख्या कम पाए जाने पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए गए। अधिकारियों को विद्यालयवार स्थिति का विश्लेषण कर कमजोर प्रदर्शन वाले विद्यालयों को चिन्हांकित करने, विद्यार्थियों की शैक्षणिक उपलब्धि बढ़ाने के लिए नियमित मॉनिटरिंग, अतिरिक्त शैक्षणिक सहयोग एवं आवश्यक सुधारात्मक गतिविधियां संचालित करने कहा गया। इसी तरह कम्युनिटी लाइब्रेरी के निर्माण/व्यवस्था को यथाशीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिए गए, ताकि विद्यार्थियों एवं स्थानीय समुदाय को अध्ययन के लिए बेहतर वातावरण उपलब्ध हो सके। अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि लाइब्रेरी को केवल भवन तक सीमित न रखते हुए पुस्तकों, अध्ययन सामग्री एवं उपयोगी संसाधनों से सुसज्जित कर नियमित उपयोग सुनिश्चित करें।

आधी रात तक भक्ति संगीत में डूबे श्रद्धालु, जयकारों से गूंजा मंदिर परिसर

श्री महावीर देव मंदिर में धूमधाम से मना जन्माष्टमी उत्सव

बलौदाबाजार । जिला मुख्यालय के बजरंग चौक स्थित महावीर देव मंदिर में कृष्ण जन्माष्टमी उत्सव भक्तिमय वातावरण में धूमधाम से मनाया गया। इस अवसर पर आयोजित भजन-कीर्तन एवं भक्ति संगीत कार्यक्रम में श्रद्धालु देर रात तक भगवान कृष्ण की भक्ति में लीन रहे। रात्रि 8 बजे से शुरू हुआ भजन-कीर्तन का सिलसिला अर्द्धरात्रि 1 बजे तक चला। ग्राम जुड़ा की संगीत टोली के द्वारिका वर्मा एवं साथियों तथा बलौदाबाजार की भजन मंडली के लक्खू जायसवाल व साथी कलाकारों ने भक्ति गीतों की प्रस्तुतियां देकर माहौल को भक्तिमय बना दिया। कार्यक्रम के दौरान मंदिर में श्रद्धालुओं का लगातार आवागमन बना रहा।

रात्रि 12 बजे भगवान कृष्ण के जन्म के अवसर पर मंदिर परिसर जयकारों से गूंज उठा। श्रद्धालुओं ने भगवान की स्तुति एवं जयघोष के साथ जन्मोत्सव की खुशी मनाई और पूजा-अर्चना कर आशीर्वाद लिया। मंदिर के सर्वराकार पं. अशोक कुमार तिवारी ने बताया कि उनके परिवार द्वारा पिछले कई वर्षों से कृष्ण जन्माष्टमी सहित विभिन्न धार्मिक आयोजनों का आयोजन किया जा रहा है।

वन अल्ट्राटेक डे के तहत विद्यार्थियों के साथ हुआ संवाद एवं सहभागितापूर्ण कार्यक्रम

शिक्षक दिवस पर अल्ट्राटेक कुकुरदी ने शिक्षकों का किया सम्मान

बलौदाबाजार (महाकोशल) । अल्ट्राटेक सीमेंट लिमिटेड, कुकुरदी सीमेंट वर्क्स के सीएसआर एवं एचआर विभाग द्वारा शासकीय प्राथमिक एवं माध्यमिक शाला कुकुरदी में शिक्षक दिवस एवं वन अल्ट्राटेक डे का संयुक्त आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विद्यालय के करीब 250 विद्यार्थियों और 10 शिक्षकों ने सहभागिता की।

कार्यक्रम का शुभारंभ भारत के पूर्व राष्ट्रपति एवं महान शिक्षाविद डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन की प्रतिमा पर गुलाल अर्पित एवं माल्यार्पण कर किया गया। इस अवसर पर शिक्षा और राष्ट्र निर्माण में शिक्षकों के अमूल्य योगदान को स्मरण करते हुए विद्यालय के शिक्षकों को श्रीफल भेंट कर सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम में ग्राम कुकुरदी के सरपंच प्रतिनिधि गोपाल साह, अल्ट्राटेक सीमेंट की एचआर टीम से अन्वेषा पाणिग्रही, मेघना, पुरुषोत्तम एवं तामेश्वर तथा सीएसआर विभाग के प्रमुख राजेन्द्र कुशवाहा एवं दया वर्मा उपस्थित रहे। अतिथियों ने विद्यार्थियों को शिक्षक दिवस के महत्व के साथ शिक्षा, अनुशासन, नैतिक मूल्यों और निरंतर सीखने की आवश्यकता के संबंध में प्रेरणादायक संदेश दिए।

वन अल्ट्राटेक डे के अवसर पर विद्यार्थियों के साथ विभिन्न संवादात्मक एवं सहभागितापूर्ण गतिविधियां आयोजित की गईं। अल्ट्राटेक टीम ने संगठन के मूल्यों, एकता, सहयोग और सामुदायिक विकास का संदेश विद्यार्थियों तक पहुंचाया। कार्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं समुदाय के बीच सकारात्मक सहभागिता को बढ़ावा देने का प्रयास किया गया। वक्ताओं ने कहा कि शिक्षक समाज की आधारशिला हैं और विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य के निर्माण में उनकी भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है।

शहीद दुर्वासालाल निषाद के 26वें शहादत दिवस पर देवरी (ख) में भव्य शहादत समारोह का हुआ आयोजन

अतिथियों ने शहीद की वीरगाथा को किया नमन

बालोद (महाकोशल)। कारगिल युद्ध के ऑपरेशन रक्षक के दौरान मातृभूमि की रक्षा करते हुए अपने प्राणों की आहुति देने वाले अमर सपूत शहीद दुर्वासालाल निषाद की स्मृति में शुक्रवार को ग्राम देवरी (ख) में 26वां शहादत दिवस समारोह पूर्ण गरिमा, राष्ट्रभक्ति और श्रद्धा के साथ आयोजित किया गया। समारोह में शहीद के पिता मुनीलाल निषाद एवं माता बोधनी बाई निषाद, उपस्थित अन्य शहीदों के परिजनों, मेधावी छात्रों, शिक्षकों एवं वरिष्ठ नागरिकों का आत्मीय अभिनंदन एवं सम्मान किया गया।

समारोह में मुख्य अतिथि ललित चंद्राकर उपाध्यक्ष, पिछड़ा वर्ग विकास प्राधिकरण छ.ग. शासन व विधायक दुर्ग ग्रामीण, अध्यक्षता कुसुम प्रमोद देशमुख सरपंच ग्राम पंचायत देवरी ख,

अति विशिष्ट अतिथि कुंवर सिंह निषाद विधायक, गुण्डरदेही क्षेत्र,विशिष्ट अतिथिगण तारिणी पुष्पेंद्र चंद्राकर अध्यक्ष, जिला पंचायत बालोद , कांति सोनेश्वरी सदस्य जिला पंचायत बालोद,पुरुषोत्तम चंद्राकर अध्यक्ष जनपद पंचायत गुण्डरदेही,कुलदीप साहू अध्यक्ष भाजपा मंडल ओटेबंद,राजेन्द्र निषाद अध्यक्ष, निषाद समाज जिला बालोद आदि उपस्थित रहे।

मुख्य अतिथि ललित चंद्राकर ने अपने संबोधन में कहा कि अमर शहीद दुर्वासालाल निषाद जी का बलिदान देवरी और बालोद क्षेत्र के साथ साथ पूरे छत्तीसगढ़ और देश के लिए गर्व का विषय है। उन्होंने कारगिल युद्ध के दौरान अदम्य साहस का परिचय देते हुए अपने प्राणों का उत्सर्ग किया। ऐसे वीरों की शहादत आने वाली पीढ़ियों को देशभक्ति और मातृभूमि की सेवा की अमर प्रेरणा देती रहेगी। अति विशिष्ट अतिथि कुंवर सिंह निषाद ने कहा कि शहीद दुर्वासालाल जी हमारी माटी के गौरव हैं। एक सैनिक जब सीमाओं पर डटा रहता है, तभी हम अपने घरों में सुरक्षित और चैन की नींद सो पाते हैं। शहीद परिवार का सम्मान करना हमारा परम कर्तव्य है, और हम सदैव शहीद दुर्वासालाल जी के परिवार के साथ पूरी निष्ठा से खड़े हैं।विशिष्ट अतिथि तारिणी पुष्पेंद्र चंद्राकर ने कहा कि यह पावन भूमि धन्य है जिसने ऐसे वीर सपूत को जन्म दिया। अमर शहीद दुर्वासालाल जी के 26वें शहादत दिवस पर मैं उन्हें कोटि-कोटि नमन करती हूँ।

लंबित भर्ती प्रक्रिया पर बड़ा अपडेटः सितंबर में पूरी होगी पुरानी भर्ती, इसके तत्काल बाद 1235 पदों की नई भर्ती

जांजगीर चाम्पा । छत्तीसगढ़ पावर कंपनी की वर्ष 2020-21 से विभिन्न कारणों से लंबित चली आ रही भर्ती प्रक्रिया को लेकर अभ्यर्थियों के लिए महत्वपूर्ण जानकारी सामने आई है। लंबे समय से भर्ती प्रक्रिया के स्थगित होते रहने के कारण अभ्यर्थियों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ा। भर्ती प्रक्रिया को शीघ्र पूरा कराने की मांग को लेकर अभ्यर्थियों की ओर से दो बार आंदोलन और हड़ताल भी की गई। आश्वासन मिलने के बाद कुछ भर्ती प्रक्रियाएं आगे बढ़ीं, लेकिन कई पदों की प्रक्रिया अब तक पूरी तरह संपन्न नहीं हो सकी। इसी क्रम में हाल के दिनों में पुरानी लंबित भर्ती तथा संविदा कर्मचारियों से जुड़े मुद्दों को लेकर भी आंदोलन किया गया और मुख्यमंत्री महोदय को ज्ञापन सौंपा गया। आंदोलन के दौरान निर्धारित समय तक प्रक्रिया आगे नहीं बढ़ने की स्थिति में जल समाधि जैसे कठोर कदम उठाने की चेतावनी तक दी गई थी।

पहले पुरानी भर्ती, फिर 1235 नए पदों की प्रक्रिया वर्तमान स्थिति में सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि नए 1235 पदों की भर्ती प्रक्रिया शुरू करने से पहले पुरानी लंबित भर्ती प्रक्रियाओं को पूरा करने का निर्णय लिया गया है। इसके तहत कंप्यूटर ऑपरेटर, जूनियर इंजीनियर , असिस्टेंट इंजीनियर , स्वास्थ्य कर्मचारी सहित अन्य लंबित पदों की भर्ती प्रक्रिया को पहले आगे बढ़ाया जाएगा। इसके लिए संबंधित अधिसूचनाएं जारी कर आवश्यक दाखिला/आवेदन प्रक्रिया पूरी करने के निर्देश दिए गए हैं।

निर्देश के अनुसार सितंबर 2026 का महीना समाप्त होने से पहले पुरानी लंबित भर्ती से संबंधित अधिसूचना जारी कर आवेदन प्रक्रिया पूरी की जानी है। इसके तत्काल बाद नए 1235 पदों की भर्ती की अधिसूचना जारी करने और आगे की भर्ती प्रक्रिया शुरू करने की तैयारी है।

बार-बार प्रक्रिया रुकने से लिया गया सख्त फैसला पिछले वर्षों में भर्ती प्रक्रिया किसी न किसी कारण से रुकती या स्थगित होती रही है। इसके कारण अभ्यर्थियों में लगातार असमंजस की स्थिति बनी रही। इसी अनुभव को देखते हुए इस बार प्रक्रिया को तय समय-सीमा के भीतर पूरा कराने पर विशेष जोर दिया गया है।

अभ्यर्थियों से यह भी अपील की गई है कि भर्ती को लेकर जानकारी प्राप्त करने के लिए लगातार मुख्यालय अथवा अधिकारियों से व्यक्तिगत संपर्क करने का प्रयास न करें। पूर्व में प्रक्रियाओं में हस्तक्षेप अथवा अलग-अलग स्तर पर संपर्क के कारण पैदा हुई परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए इस बार निर्धारित प्रक्रिया और आधिकारिक अधिसूचना के माध्यम से ही जानकारी उपलब्ध कराने पर जोर दिया जा रहा है।

बिहान से बदली राह, 35 महिला किसानों ने 600 क्विंटल सब्जी उगाकर लिखी सफलता की कहानी

सारंगढ़-बिलाईगढ़। बरमकेला विकासखंड के ग्राम पंचायत रिसोरा में खेतों की हरियाली के साथ अब ग्रामीण महिलाओं के सपनों में भी नई उम्मीदें दिखाई दे रही हैं। राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन 'बिहान' से जुड़ी 35 महिला किसानों ने एकजुट होकर न केवल सामूहिक खेती की नई मिसाल कायम की, बल्कि 600 क्विंटल सब्जियों का उत्पादन कर करीब 6 लाख रुपए की आय अर्जित की है। कभी अलग-अलग अपने खेतों में मेहनत करने वाली ये महिलाएं अब 'उजाला उत्पादक समूह' के रूप में एक साथ आगे बढ़ रही हैं।

वर्ष 2025 में गठित उजाला उत्पादक समूह में ग्राम पंचायत रिसोरा की 35 महिला किसान शामिल हुईं। समूह बनाने का उद्देश्य सिर्फ एक साथ खेती करना नहीं था, बल्कि सामूहिक प्रयास के जरिए लागत कम करना, उत्पादन बढ़ाना और अपनी उपज का बेहतर बाजार तलाशना था। बिहान योजना ने महिलाओं को इस दिशा में आगे बढ़ने का अवसर दिया और समूह की दीदियों ने इसे अपनी मेहनत और सामूहिक सोच से सफलता में बदल दिया।

समूह के गठन के बाद महिलाओं को कृषि गतिविधियों के लिए वित्तीय सहयोग भी मिला। क्लस्टर से 50 हजार रुपए की स्टार्टअप राशि तथा सखी क्लस्टर संगठन, बुदेली के माध्यम से 1 लाख 50 हजार रुपए का ऋण उपलब्ध हुआ। कुल 2 लाख रुपए की शुरुआती पूंजी को आधार बनाकर महिलाओं ने इस वर्ष अपने खेतों में लौकी, करेला और खीरा की वैज्ञानिक तकनीक से खेती शुरू की।

इसके बाद खेतों में मेहनत का ऐसा परिणाम सामने आया कि समूह की महिलाओं के चेहरे पर मुस्कान खिल उठी। लौकी की 250 क्विंटल, करेला की 250 क्विंटल और खीरा की 100 क्विंटल पैदावार हुई। इस तरह उजाला उत्पादक समूह की दीदियों ने कुल 600 क्विंटल सब्जियों का उत्पादन किया। यह सिर्फ आंकड़ा नहीं, बल्कि 35 परिवारों की मेहनत, सामूहिक एकजुटता और बदलती सोच का परिणाम है।

इस सफलता में एक और महत्वपूर्ण बदलाव तब आया, जब समूह की महिलाओं ने अपनी उपज को बिचौलियों के भरोसे छोड़ने के बजाय सीधे थोक बाजार तक पहुंचाने का निर्णय लिया। सामूहिक रूप से बाजार से जुड़ने से उन्हें अपनी फसल का बेहतर और उचित मूल्य प्राप्त हुआ। सब्जियों की बिक्री से समूह की वर्तमान कुल आय करीब 6 लाख रुपये तक पहुंच गई है।

ग्राम पांडेटोला मे श्रीकृष्ण जन्माष्टमी उत्सव में शामिल हुए विधायक भोलाराम साहू

छुरिया । ग्राम पांडेटोला मे कृष्ण जन्माष्टमी के पावन अवसर पर शुक्रवार को कलश यात्रा एवं कृष्ण प्रतिमा स्थापना कार्यक्रम का आयोजन श्रद्धा एवं उत्साह के साथ किया गया। कार्यक्रम में खुज्जी विधायक भोलाराम साहू मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। विधायक साहू ने भगवान कृष्ण की पूजा-अर्चना कर क्षेत्रवासियों की सुख-समृद्धि एवं खुशहाली की कामना की। इस दौरान ग्रामवासियों एवं आयोजन समिति द्वारा क्षेत्र की आवश्यकताओं एवं विकास कार्यों को लेकर विधायक के समक्ष मांग रखी गई। ग्रामवासियों की मांग पर विधायक भोलाराम साहू ने शीतला सामुदायिक भवन निर्माण की घोषणा की, जिससे ग्रामीणों में हर्ष का माहौल रहा। कार्यक्रम

में विधायक साहू ने कृष्ण जन्माष्टमी की बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए कहा कि ऐसे धार्मिक एवं सांस्कृतिक आयोजन समाज में आपसी भाईचारा, एकता और सद्भाव को मजबूत करते हैं।

उन्होंने ग्राम के विकास एवं जनहित से जुड़े कार्यों में हरसंभव सहयोग का आश्वासन दिया।इस अवसर पर गोविंद राम यादव, अध्यक्ष तहसील यादव समाज छुरिया, प्रताप धावड़े अध्यक्ष ब्लॉक कांग्रेस कमेटी कुमर्दा, राजू सिन्हा अध्यक्ष ब्लॉक कांग्रेस कमेटी छुरिया, रोशन साहू सेक्टर प्रभारी कांग्रेस कमेटी छुरिया, प्रकाश मोटघरे जनपद सदस्य छुरिया, पूरन नेताम वरिष्ठ कांग्रेस कार्यकर्ता, कीर्तन साहू सरपंच ग्राम पंचायत पांडेटोला, कुलेश्वर ठाकुर सचिव ग्राम पंचायत पाड़ेटोला, सुभाष ठाकुर ग्राम पटेल पांडेटोला, जैतरू साहू ग्राम प्रमुख यादव समाज गहिराभेड़ी सर्किल छुरिया सहित यादव समाज के पदाधिकारी, जनप्रतिनिधि, आयोजन समिति के सदस्य एवं बड़ी संख्या में ग्रामवासी उपस्थित रहे।

शिक्षक दिवस पर सरपंच राजेश सिन्हा ने चिरचारी खुर्द के विद्यालयों में शिक्षकों के योगदान को सराहा

छुरिया। शिक्षक दिवस के अवसर पर ग्राम पंचायत चिरचारी खुर्द के सरपंच राजेश कुमार सिन्हा ने हाईस्कूल, प्राथमिक शाला एवं माध्यमिक शाला के सभी शिक्षक-शिक्षिकाओं को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। उन्होंने शिक्षकों के योगदान की सराहना करते हुए कहा कि शिक्षक समाज और राष्ट्र के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। सरपंच सिन्हा ने कहा कि शिक्षक एक मोमबत्ती के समान होते हैं, जो स्वयं जलकर दूसरों के जीवन को ज्ञान के प्रकाश से प्रकाशित करते हैं। उन्होंने कहा कि ग्राम पंचायत क्षेत्र के विद्यालयों में पदस्थ सभी शिक्षक बच्चों को बेहतर शिक्षा के साथ-साथ अच्छी प्रेरणा और मार्गदर्शन प्रदान कर रहे हैं। उन्होंने सभी शिक्षकों के स्वस्थ एवं दीर्घायु जीवन की कामना की। उन्होंने बताया कि ग्राम पंचायत चिरचारी खुर्द के विद्यालयों में अध्ययनरत बच्चों को शिक्षकों द्वारा पढ़ाई के साथ अन्य आवश्यक सहयोग भी प्रदान किया जाता है। ठंड के दिनों में बच्चों को गर्म कपड़े उपलब्ध कराने तथा प्रत्येक वर्ष 15 अगस्त के अवसर पर कक्षा में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को प्रोत्साहन राशि प्रदान करने जैसी पहल की भी सरपंच ने सराहना की।

गोडधोवा पुल मुक्तिधाम मार्ग बारिश से बहकर दो भागों में बंटा, ग्रामीणों को हो रही है अंतिम संस्कार में परेशानी

बालोद। विकासखंड गुंडरदेही के ग्राम पंचायत भुसरेंगा में मुक्तिधाम जाने वाला गोडधोवा पुल भारी बारिश के कारण दो भागों में बंट गया है। पुल के बीचों-बीच कटाव हो जाने से गांव का मुख्य संपर्क मार्ग पूरी तरह बाधित हो गया है।

ग्रामीणों के अनुसार यह पुल गांव के प्रमुख मार्ग पर स्थित है। इसी रास्ते से ग्रामीण रोज खेत-खलिहान, बाजार और मुक्तिधाम जाते हैं। पुल टूटने से आवागमन पूरी तरह ठप है। सबसे बड़ी समस्या मुक्तिधाम जाने को लेकर है। ग्रामीणों का कहना है कि यदि गांव में किसी की मृत्यु हो जाए तो शव को कंधा देकर मुक्तिधाम तक ले जाना बेहद कठिन हो गया है। बरसात में फिसलन और कटे हुए पुल से हादसे का भी खतरा बना हुआ है। बच्चों, बुजुर्गों और महिलाओं को आने-जाने में सबसे ज्यादा परेशानी हो रही है।

इस संबंध में ग्राम पंचायत सरपंच कुमुदिनी साहू ने बताया कि यह मार्ग गांव का प्रमुख मार्ग है, इसी से दिनभर आना-जाना लगा रहता है। पुल टूटने से आवागमन पूरी तरह प्रभावित हो गया है। हमने इसकी जानकारी जनपद पंचायत और संबंधित विभाग को दे दी है। मरम्मत के लिए शासन को प्रस्ताव भेजा जा चुका है, स्वीकृति मिलते ही काम शुरू कराया जाएगा, ताकि ग्रामीणों को जल्द सुविधा मिल सके। ग्रामीणों ने प्रशासन से मांग की है कि मुक्तिधाम मार्ग के इस गोडधोवा पुल का शीघ्र निर्माण कराया जाए, ताकि आवागमन सुचारू हो सके।

88वें श्री अखंड रामनाम सप्ताह की ऐतिहासिक शोभायात्रा में उमड़ा जनसैलाब, शिवरतन शर्मा-अश्वनी शर्मा हुए शामिल

■ भाटापारा में आस्था का महाकुंभ

भाटापारा । धर्म नगरी भाटापारा में रविवार को आस्था, भक्ति और परंपरा का अद्भुत संगम देखने को मिला। 88 वर्षों से अनवरत चली आ रही अखंड रामनाम सप्ताह की परंपरा के समापन अवसर पर निकली भव्य शोभायात्रा में पूरा नगर राममय हो गया। इस ऐतिहासिक शोभायात्रा में वरिष्ठ भाजपा नेता शिवरतन शर्मा शामिल हुए।

100 से अधिक मंडलियों ने किया रामधुन से नगर को गुंजायमान

दोपहर में अखंड रामनाम मंडप से शुरू हुई यह विशाल शोभायात्रा रामसहाय चौक से,सदर बाजार, महासती मार्ग, हटरी बाजार होते हुए नगर के अन्य प्रमुख चौकों से होकर देर रात मंडप स्थल पर संपन्न हुई। शोभायात्रा में भाटापारा, सिमगा, बिलाईगढ़, कसडोल सहित आसपास के ग्रामीण अंचलों एवं रायपुर, बिलासपुर, दुर्ग सहित अन्य जिलों से आई लगभग 100 से अधिक भजन मंडलियों ने भाग लिया।

शोभायात्रा के मंडप पहुंचने पर शिवरतन शर्मा ने रथ में विराजमान प्रभु राम की पूजा-अर्चना की। इस दौरान भक्ति का ऐसा रंग जमा कि शिवरतन शर्मा और नगर पालिका अध्यक्ष अश्वनी शर्मा खुद को रोक नहीं पाए। दोनों नेताओं ने हाथ में क्रमशः अलग अलग भजन मंडलियो के साथ मांदर, ढोलक, मंजीरा झाँझ लेकर रामधुन गाई और नृत्य किया।

शिवरतन शर्मा ने कहा - यह आयोजन छत्तीसगढ़ की अनोखी परंपरा है

इस आयोजन पर शिवरतन शर्मा ने कहा कि भाटापारा का अखंड रामनाम सप्ताह पूरे प्रदेश में एक अनोखी और गौरवशाली परंपरा है। उन्होंने कहा कि 88 वर्षो से चल रहे इस आयोजन के लिए कभी कोई औपचारिक समिति नहीं बनती, कोई चंदा इकट्ठा करने नहीं जाता। केवल जय सियाराम के एक आह्वान पर पूरा नगर एकजुट हो जाता है। यह हमारी सनातन संस्कृति और सामाजिक एकता की सबसे बड़ी मिसाल है।

नगर पालिका अध्यक्ष अश्वनी शर्मा ने कहा कि अखंड रामनाम सप्ताह केवल एक धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि भाटापारा की आत्मा है। उन्होंने कहा,यह हम सबके लिए गौरव की बात है कि 88 वर्षों से हमारे बुजुर्गों ने इस परंपरा को जीवित रखा है, भाटापारा नगर हमेशा से ही भक्ति और सेवा का नगर रहा है और इस परंपरा को आने वाली पीढ़ी तक ले जाना हम सबकी जिम्मेदारी है। इस दौरान आनंद यादव,राकेश तिवारी,सुनील यदु,ओमप्रकाश रात्रे,मोहन बांधे,मथुरा यदु,महाबल बघेल,पवन वर्मा,नीरा साहू, योगेश अनंत, सहित न.पा. के पार्षद,सरपंच,जनपद सदस्य सहित बडी संख्या मे लोग मौजूद रहे।

गणेश प्रतिमाओं को अंतिम रूप देने में जुटे मूर्तिकार

जांजगीर-चांपा । मूर्तिकार बलराम पाड़े की कला ने बप्पा की प्रतिमाओं में भरे जीवंत रंग,कम कीमत में उपलब्ध आकर्षक प्रतिमाएं,गणेश चतुर्थी पर्व को लेकर क्षेत्र में तैयारियां जोर पकड़ने लगी हैं। विघ्नहर्ता भगवान गणेश के स्वागत के लिए जहां गणेश उत्सव समितियां पंडाल सजाने और अन्य तैयारियों में जुटी हैं, वहीं मूर्तिकार भी गणेश प्रतिमाओं को अंतिम रूप देने में दिन-रात मेहनत कर रहे हैं। भादो माह के शुक्ल पक्ष की चतुर्थी तिथि को भगवान गणेश की प्रतिमाओं की स्थापना की जाती है। इसे लेकर मूर्तिकारों के यहां अलग-अलग आकार और आकर्षक स्वरूप वाली गणेश प्रतिमाएं तैयार की जा रही हैं। जांजगीर के मूर्तिकार भी इन दिनों गणेश प्रतिमाओं को अंतिम रूप देने में व्यस्त हैं। उनके द्वारा मिट्टी और अन्य सामग्री से तैयार की गई प्रतिमाओं में रंग-रोगन का कार्य तेजी से चल रहा है।

प्रतिमाओं के चेहरे की भाव-भंगिमा,मुकुट, आभूषण,वस्त्र और अन्य सजावटी हिस्सों को आकर्षक रूप देने के लिए बारीकी से काम किया जा रहा है। मूर्तिकार अपनी कला और हुनर के माध्यम से भगवान गणेश की प्रतिमाओं में जीवंतता लाने का प्रयास कर रहे हैं हर वर्ग के लिए उपलब्ध प्रतिमाएं मूर्तिकार बलराम पाड़े के यहां छोटे आकार से लेकर बड़े आकार तक विभिन्न स्वरूपों की गणेश प्रतिमाएं तैयार की जा रही हैं। खास बात यह है कि अलग-अलग बजट के अनुसार श्रद्धालुओं के लिए प्रतिमाएं उपलब्ध हैं। गणेश उत्सव समितियों के साथ-साथ घरों में गणपति स्थापना करने वाले श्रद्धालु भी अपनी पसंद और आवश्यकता के अनुसार प्रतिमाओं का चयन कर सकते हैं।मूर्तिकार का कहना है कि श्रद्धालुओं की पसंद को ध्यान में रखते हुए प्रतिमाओं को अलग-अलग रूप और आकर्षक डिजाइन में तैयार किया जा रहा है। प्रतिमाओं में रंग भरने के साथ ही सजावट और फिनिशिंग का काम अंतिम चरण में है।

fad`f· f f,fff fSX

धार्मिक नगरी शिवरीनारायण में धूमधाम से मनाया गया श्रीकृष्ण जन्मोत्सव

जांजगीर- चांपा । धार्मिक एवं ऐतिहासिक नगरी शिवरीनारायण में भगवान श्रीकृष्ण का जन्मोत्सव बड़े ही धूमधाम, श्रद्धा एवं उत्साह के साथ मनाया गया। जन्माष्टमी के पावन अवसर पर नगर के विभिन्न मंदिरों में विशेष पूजा-अर्चना, भजन-कीर्तन एवं धार्मिक आयोजन किए गए। सुबह से ही मंदिरों में श्रद्धालुओं की भीड़ देखने को मिली और पूरा नगर भक्तिमय वातावरण में डूबा रहा। इस अवसर पर शिवरीनारायण मठ मंदिर द्वारा अपनी आदिकालीन परंपराओं को ध्यान में रखते हुए विशेष महाभोज का आयोजन किया गया। महाभोज में नगर के साथ-साथ आसपास के गांवों तथा दूर-दराज क्षेत्रों से बड़ी संख्या में श्रद्धालु एवं धर्मप्रेमी लोग पहुंचे। श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण कर भगवान श्रीकृष्ण का आशीर्वाद प्राप्त किया। जन्माष्टमी को लेकर मंदिर परिसर में पूरे दिन चहल-पहल बनी रही। श्रद्धालुओं ने भगवान श्रीकृष्ण के दर्शन कर पूजा-अर्चना की और परिवार की सुख-समृद्धि एवं खुशहाली की कामना की।

खपरी (मालीघोरी) में दो दिवसीय भव्य रामधुनी सम्मेलन का हुआ समापन, कृष्ण जन्माष्टमी पर भक्ति रस में डूबा रहा पूरा गांव

■ आज दही लूट के साथ होगा कृष्ण मूर्ति विसर्जन

बालोद । जिले के डौंडीलोहारा ब्लॉक अंतर्गत आने वाले ग्राम खपरी (मालीघोरी) के महावीर चौक में श्री कृष्ण जन्माष्टमी के पावन अवसर पर आयोजित दो दिवसीय भव्य रामधुनी सम्मेलन का आज, 5 सितंबर को सफलतापूर्वक समापन हो गया। 4 और 5 सितंबर को आयोजित इस धार्मिक एवं सांस्कृतिक महोत्सव में अंचल की कई प्रसिद्ध रामधुनी मंडलियों ने हिस्सा लिया, जिससे पूरा क्षेत्र भक्तिमय धुनों और भजनों से सराबोर रहा।

भक्ति और कला का अनूठा संगम

जन्माष्टमी के विशेष अवसर पर आयोजित इस दो दिवसीय सम्मेलन में देर रात तक भगवान श्री कृष्ण और श्रीराम के भजनों की गूंज सुनाई देती रही। कार्यक्रम में कलाकारों द्वारा झांकियों के साथ दी गई प्रस्तुतियों ने दर्शकों का मन मोह लिया।

इन प्रमुख मंडलियों ने बांधा समां

इस सम्मेलन में क्षेत्र की कई नामी मंडलियों ने अपनी कला और भक्ति का प्रदर्शन किया, जिनमें मुख्य रूप से शामिल रहीं- मंचस्त मंडलिया प्रथम दिवस 4 सितंबर शुक्रवार को - जय माँ सरस्वती रामधुनी मंडली - सेमरडीह, श्री भक्ति सागर रामधुनी मंडली मनौद ने प्रस्तुति दी, वहीं द्वितीय दिवस 5 सितंबर शनिवार को - जय हनुमंत रामधुनी मंडली बोदाछापर, जय माँ विंध्यवासनी लोक रागनी रामधुनी मंडली गोकुलपुर, मन मोहना रामधुनी मंडली सोहतरा (बालोद), जय माँ शीतला रामधुनी मंडली परसाही, संगी जहुरिया रामधुनी मंडली गोजी, जय माँ सरस्वती रामधुनी मंडली गोड़पाल ने प्रस्तुति दी।

उमड़ी श्रद्धालुओं की भारी भीड़ इस पारंपरिक रामधुनी प्रतियोगिता और सम्मेलन को देखने के लिए खपरी सहित आसपास के दर्जनों गांवों से बड़ी संख्या में श्रद्धालु और ग्रामीण पहुंचे थे। आयोजन समिति के सदस्यों ने बताया कि कृष्ण जन्माष्टमी के अवसर पर हर वर्ष इस तरह के आयोजन का उद्देश्य ग्रामीण संस्कृति को जीवित रखना और युवाओं को अध्यात्म से जोड़ना है। कार्यक्रम के समापन पर सभी प्रतिभागी मंडलियों को स्मृति चिन्ह और पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया।

रानीतराई में 100% नामांकन एवं ठहराव हेतु जागरूकता रैली, नुक्कड़ नाटक का आयोजन

बालोद (महाकोशल)। डौंडीलोहारा ब्लॉक के शासकीय प्राथमिक शाला रानीतराई (किसना) द्वारा ग्राम में 100 प्रतिशत नामांकन एवं बच्चों के ठहराव हेतु विशाल जागरूकता रैली, नुक्कड़ नाटक और पोस्टर अभियान का आयोजन किया गया। जिसमें शिक्षा के महत्व के बारे में बताया गया। रैली को प्रधान पाठक निर्मल दुबे द्वारा हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। बच्चे स्कूल चलो - पढ़ाई करो, शिक्षा है सबका अधिकार जैसे नारे लगाते हुए पूरे गांव में भ्रमण किए। रैली के दौरान नुक्कड़ नाटक के माध्यम से शिक्षा से होने वाले लाभों के बारे में बताया गया। शिक्षकों द्वारा घर-घर जाकर पालकों को समझाइश दी गई कि एक भी बच्चा स्कूल से बाहर न रहे। शाला में मिलने वाली निःशुल्क गणवेश, पाठ्यपुस्तक, मध्यान्ह भोजन और छात्रवृत्ति की जानकारी दी गई।

इस अभियान में शिक्षकों, छात्रों एवं पालकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। शाला ने इस वर्ष 100 प्रतिशत नामांकन का लक्ष्य प्राप्त किया।

चांपा में चला रेल्वे प्रशासन का बुलडोजर अवैध निर्माण को किया गया ध्वस्त

■ न्यायालय में पेश करने के लिए चालानी कार्रवाई

जांजगीर-चांपा । नगर में बढ़ते अवैध निर्माण कार्य अतिक्रमण को लेकर प्रशासन के साथ-साथ अब रेल्वे प्रशासन भी सख्त नजर आ रहा है इसी क्रम में शनिवार 5 सितंबर को रेल्वे प्रशासन ने अवैध निर्माण के खिलाफ विशेष अभियान चलाकर कार्रवाई करते हुए अंडर ब्रिज के समीप किया जा रहे अवैध निर्माण को बुलडोजर चला कर पूरी तरह ध्वस्त कर दिया। जानकारी के अनुसार चांपा के थाना चौक काली मंदिर के पास बने अंडर ब्रिज जो कि बेलदार पारा भोजपुर मार्ग की ओर जाने वाले अंडर ब्रिज के समीप रेल्वे क्षेत्र से सटाकर कुछ लोगों द्वारा अवैध निर्माण कराया जा रहा था रेल्वे प्रशासन द्वारा पूर्व में संबंधित लोगों को नोटिस जारी कर निर्माण कार्य बंद करने तथा अवैध निर्माण हटाने के निर्देश दिए गए थे इसके बावजूद निर्माण कार्य जारी रहने पर रेल्वे प्रशासन ने स्थानीय प्रशासन को इसकी जानकारी दी इसके बाद 5 सितंबर दिन शनिवार को राजस्व अधिकारियों और चांपा पुलिस की मौजूदगी में रेल्वे प्रशासन की टीम मौके पर पहुंची और अवैध निर्माण के खिलाफ कार्रवाई करते हुए बुलडोजर से निर्माण को तोड़कर पूरी तरह ध्वस्त कर दिया वहीं रेल्वे अधिकारी ने बताया कि अतिक्रमण के खिलाफ यह अभियान आगे भी जारी रहेगा आगामी 10 सितंबर को भी अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई की जाएगी। रेल्वे प्रशासन द्वारा अतिक्रमणकारियों को स्पष्ट कर चेतावनी दी गई है कि रेलवे क्षेत्र में दोबारा किसी भी प्रकार का अवैध निर्माण किया गया तो संबंधित लोगों के खिलाफ और सख्त से सख्त कार्रवाई की जाएगी रेलवे प्रशासन की इस कार्रवाई के बाद अतिक्रमणकारियों में हड़कंप मचा हुआ है माना जा रहा है।

गांधी चौक में एक दिवसीय धरना, भाजपा सरकार पर साधा निशाना

■ बढ़ती महंगाई के विरोध में कांग्रेस का चीनी सत्याग्रह

बलौदाबाजार । देश-प्रदेश में बढ़ती महंगाई और चीनी के दामों में वृद्धि के विरोध में जिला कांग्रेस कमेटी बलौदाबाजार-भाटापारा ने गांधी चौक में एक दिवसीय चीनी सत्याग्रह एवं धरना प्रदर्शन किया। जिला कांग्रेस अध्यक्ष सुमित्रा धृतलहरे के नेतृत्व में आयोजित कार्यक्रम की शुरुआत डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन एवं राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के छायाचित्र पर माल्यार्पण कर की गई। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्रदेश कांग्रेस प्रवक्ता सुरेंद्र शर्मा ने कहा कि महंगाई चरम पर है और गरीब, मजदूर, किसान तथा आम नागरिक इससे परेशान हैं। पाठ्यपुस्तक निगम के पूर्व अध्यक्ष शैलेश नितिन त्रिवेदी ने महंगाई, बेरोजगारी और भ्रष्टाचार को लेकर भाजपा सरकार पर निशाना साधा। पूर्व जिला कांग्रेस अध्यक्ष दिनेश यदु ने कहा कि चीनी समेत रसोई की आवश्यक वस्तुओं के बढ़ते दामों का सीधा असर परिवारों के बजट पर पड़ रहा है। जिला कांग्रेस अध्यक्ष सुमित्रा धृतलहरे ने कहा कि एथेनॉल नीति और गन्ने से संबंधित नीतियों का असर चीनी की उपलब्धता एवं कीमतों पर पड़ा है। उन्होंने आरोप लगाया कि महंगाई पर नियंत्रण के वादे के बावजूद आम जनता को राहत नहीं मिली है। इस दौरान पूर्व विधायक जनकराम वर्मा, शकुंतला साहू, पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष राकेश वर्मा, परमेश्वर यदु, विद्याभूषण शुक्ला, विक्रम पटेल, प्रवीण सेन, दीपक साहू, लखेश साहू सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस पदाधिकारी, कार्यकर्ता एवं नागरिक उपस्थित रहे। संचालन लखेश साहू ने किया।

गोविंदा उत्सव राशि हेतु आभार

डोंगरगढ़ । नगर पालिका परिषद डोंगरगढ़ के अध्यक्ष रमन डोंगरे जी के द्वारा गोविंदा उत्सव के आयोजन हेतु की गई मांग पर आदरणीय सांसद संतोष पांडे जी की अनुशंसा, राजगामी संपदा की अध्यक्षा मती पूर्णिमा साहू जी एवं उपाध्यक्ष मनोज निर्वाणी जी की सहमति से जिला कलेक्टर द्वारा गोविंदा उत्सव के लिए राशि स्वीकृत की गई इस सराहनीय पहल के लिए यादव गोविंदा उत्सव समिति ठेठवार पारा वार्ड नं 22, 23 की ओर से सभी सहयोगी जनप्रतिनिधियों एवं वरिष्ठ भाजपा नेताओं का हार्दिक आभार एवं अभिनंदन। समिति ने आदरणीय प्रदेश उपाध्यक्ष रामजी भारती जी, नगर पालिका परिषद अध्यक्ष रमन डोंगरे जी, उपाध्यक्ष उमा महेश वर्मा जी, वरिष्ठ नेता लक्ष्मीनारायण अग्रवाल जी, प्रकाश चौरडिया जी, अमित जैन जी, सत्यप्रकाश मिश्रा जी, जसमीत बत्रोआना जी, सहित सभी वरिष्ठों का आभार प्रेषित किया है तथा भविष्य में ऐसे ही सहयोग की कामना की। इस अवसर पर प्रमुख रूप से ब्रुझ सेल शहर मंडल संयोजक ललित शर्मा, किशान मोर्चा महामंत्री अजय शर्मा, ओबीसी मोर्चा उपाध्यक्ष संतोष देवांगन, बूथ अध्यक्ष शिवा यादव , युवा मोर्चा से सत्यम यादव, यादव,प्रिंस यादव, सतीश यादव, शैलेन्द्र पाल, भरत जंघेल, फगुआ यादव ,राजू यादव, मुकेश यादव,अजय यादव, प्रकाश यादव, दिल्लू यादव सहित वार्ड वाशी उपस्थित थे।

यात्रियों को अन्य जगह पर खडे होकर करना पड़ता है बस का इंतजार

जांजगीर-चांपा । यात्रियों की सुविधा के लिए बनाए गए यात्री प्रतीक्षालय का उपयोग अब कुछ लोग बेजाकब्जा कर होटल का संचालन कर रहे है। इससे प्रतीक्षालय का मूल उद्देश्य प्रभावित हो रहा है और बस या अन्य साधनों का इंतजार करने वाले यात्रियों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

गौरतलब है कि नवागढ़ ब्लाक अंतर्गत ग्राम पंचायत सेमरा में यात्रियों के लिए यात्री प्रतीक्षालय इन दिनों होटल का संचालन किया जा रहा है। जिसकी वजह से यात्री प्रतीक्षालय के आसपास कचरा का ढेर लगा हैं एवं भारी दुर्गंध भी आती रहती हैं प्रतीक्षालय में लंबे समय तक डेरा जमाए रहने के कारण यात्रियों के बैठने की जगह कम पड़ रही है। कई बार यहां सामान फैलाकर लोग घंटों बैठे रहते हैं, जिससे बाहर से आने वाले यात्रियों को असुविधा होती है। रात के समय स्थिति और भी परेशानी वाली हो जाती है। स्थानीय लोगों का कहना है कि यात्री प्रतीक्षालय सार्वजनिक सुविधा के लिए बनाया गया है, लेकिन निगरानी के अभाव में इसका मनमाने ढंग से उपयोग हो रहा है। जिम्मेदार विभाग द्वारा नियमित निरीक्षण और आवश्यक व्यवस्था किए जाने की जरूरत है। यात्रियों ने मांग की है कि प्रतीक्षालय में अनावश्यक रूप से लंबे समय तक रुकने वालों पर नजर रखी जाए और परिसर की नियमित साफ-सफाई एवं निगरानी सुनिश्चित की जाए, ताकि इसका लाभ वास्तविक यात्रियों को मिल सके। प्रतीक्षालय में दुकान का सामान, टेबल-कुर्सियां और अन्य सामग्री रखे जाने से यात्रियों के लिए पर्याप्त जगह नहीं बचती। व्यस्त समय में यात्रियों को बैठने तक की जगह नहीं मिल पाती। वहीं, परिसर में भीड़ और अव्यवस्था के कारण यात्रियों को असुविधा होती है। स्थानीय लोगों का कहना है कि यात्री प्रतीक्षालय का निर्माण आम यात्रियों की सुविधा के लिए किया गया है। ऐसे में इसके भीतर व्यावसायिक गतिविधियों का संचालन नियमों के अनुरूप है या नहीं, इसकी जांच जिम्मेदार अधिकारियों को करनी चाहिए। यात्रियों ने मांग की है कि प्रतीक्षालय को अतिक्रमण और व्यावसायिक गतिविधियों से मुक्त कराकर मूल उद्देश्य के अनुरूप उपयोग सुनिश्चित किया जाए, ताकि यात्रियों को राहत मिल सके।

सुविधा के लिए बना, कारोबार के काम आ रहा

सेमरा में बने यात्री प्रतीक्षालय का उद्देश्य यात्रियों को बैठने और आराम करने की सुविधा देना है। लेकिन यहां होटल संचालन के कारण यात्रियों को अपेक्षित सुविधा नहीं मिल पा रही है।

संयुक्त राष्ट्र ने 27 नवंबर को घोषित किया अंतरराष्ट्रीय दिवस; छत्तीसगढ़ ने भी लिया तेज कार्रवाई का प्रण

■ बाल विवाह के खिलाफ भारत की मुहिम को वैश्विक मान्यता

रायपुर । बाल विवाह के खिलाफ वैश्विक लड़ाई में भारत से उठी आवाज को वैश्विक मान्यता मिली है। संयुक्त राष्ट्र ने 27 नवंबर को 'बाल विवाह, कम उम्र और जबरन विवाह के उन्मूलन के लिए अंतरराष्ट्रीय दिवस' घोषित किया है। भारत के लिए इस तारीख का विशेष महत्व है, क्योंकि 27 नवंबर 2024 को ही भारत सरकार ने 'बाल विवाह मुक्त भारत' अभियान की शुरुआत की थी। जस्ट राइट्स फॉर चिल्ड्रेन (जेआरसी) के संस्थापक भुवन ऋभु ने बाल विवाह के खात्मे के लिए एक अलग समर्पित अंतराष्ट्रीय दिवस घोषित किए जाने की पहल की थी। मार्च 2026 में संयुक्त राष्ट्र में भुवन ऋभु ने अपने संबोधन के दौरान कई वैश्विक नेताओं की मौजूदगी में एक बार फिर बाल विवाह के खिलाफ एक अंतरराष्ट्रीय दिवस घोषित करने के लिए प्रस्ताव लाने की बात कही। तब अफ्रीकी देश सिएरा लियोन की फर्स्ट लेडी डॉ. फातिमा मादा बायो भी मौजूद थीं, जिन्होंने इस पहल का समर्थन किया। इसके बाद सिएरा लियोन ने भारत सहित 67 देशों के अनुमोदन वाला प्रस्ताव संयुक्त राष्ट्र महासभा में पेश किया, जिसमें 27 नवंबर को बाल विवाह समाप्त करने के लिए समर्पित वैश्विक दिवस घोषित करने की बात थी। 4 सितंबर को संयुक्त राष्ट्र ने इस प्रस्ताव को पारित कर दिया। संयुक्त राष्ट्र में प्रस्ताव पेश करने के दौरान सिएरा लियोन की फर्स्ट लेडी डॉ. फातिमा मादा बायो ने यूएन हॉल में जस्ट राइट्स फॉर चिल्ड्रेन का विशेष रूप से उल्लेख भी किया। जेआरसी बाल संरक्षण के क्षेत्र में काम करने वाले नागरिक समाज संगठनों का दुनिया का सबसे बड़ा नेटवर्क है और अपने चाइल्ड मैरिज फ्री वर्ल्डअभियान के तहत बाल विवाह के खिलाफ एक वैश्विक लड़ाई लड़ रहा है। भारत में, जेआरसी अपने सहयोगी संगठनों के साथ देश के सभी 782 जिलों में बाल विवाह के लिए संवेदनशील समुदायों के बीच काम कर रहा है। जेआरसी ने अपने सहयोगी संगठनों के साथ सरकारों और कानून-प्रवर्तन एजेंसियों के सहयोग से समुदायों, स्कूलों, पंचायतों, आदिवासी और वंचित समुदायों, महिलाओं, पुलिसकर्मियों, धर्मगुरुओं और जनप्रतिनिधियों को बाल विवाह रोकने के लिए एकजुट किया है।

जेन-जी को समझिए, वे उतने बुरे नहीं हैं जितना आप सोचते हैं

'मे आई कम इन', यह सुनते ही एचआर पर्सन ने अपनी डेस्क से नजर उठाई और सिर हिला दिया। कैंडिडेट अंदर आया, कुर्सी में धंसकर बैठा और सीधे बैठने की कोशिश किए बिना ही बैठा रहा। एचआर पर्सन कुछ सेकंड इंतजार करती रहीं कि वह एयरपॉड्स निकाले। जब उसने ऐसा नहीं किया तो उन्होंने एयरपॉड्स निकालने को कहा और पूछा कि उसे कैशियर की नौकरी क्यों सही लगती है?

उसने कहा कि 'यह पार्ट-टाइम जॉब है और मैं फ्री टाइम में जो करना चाहता हूं, उसके हिसाब से ठीक है। मैं अपने दोस्तों के साथ बाहर जा सकता हूं, छुट्टियों पर जा सकता हूं और ऐसी दूसरी चीजें कर सकता हूं।' उसके जवाब, टोन और बॉडी लैंग्वेज ने पूरे सिलेक्शन पैनल को एक साफ संदेश दे दिया था: वह ऐसा व्यक्ति नहीं होगा, जो शुक्रवार की रात बाहर घूमने के बाद शनिवार सुबह तैयार होकर काम पर पहुंच जाए।

अगर उसकी सोशल लाइफ में बाधा आई तो शायद काम ही पहली चीज होगी, जिसे वह त्याग देगा। अगला कैंडिडेट अलग था। उसने अपने अपीरियंस, गंभीरता और धैर्य से पैनल को इम्प्रेस किया। जब तक उसे नहीं बोला गया, उसने बैठने का इंतजार किया और फिर सीधा होकर बैठा, सुनने के लिए तैयार। उसे शॉर्टलिस्ट कर लिया गया और पॉइंट ऑफ सेल (पीओएस) काउंटर पर काम कर रहे युवा कैशियरों को आब्जर्व करने के लिए दो घंटे दिए गए। उसका टेस्ट एक खाली काउंटर से शुरू हुआ।

बिल 1272 रुपए का था। कस्टमर बनी एचआर पर्सन ने उसे 500-500 रुपए के तीन नोट दिए। कैश ड्रॉअर में अलग-अलग कीमत के नोट थे, लेकिन सिर्फ 10 रुपए तक के। साथ ही 1 रुपए के दो सिक्के भी थे। मशीन ने उसे 228 रुपए लौटाने को कहा। वह हिचकिचाया। पहले उसने कस्टमर से कहा कि उसके पास छुट्टे नहीं हैं। कस्टमर ने उसे 1-1 रुपए के दो सिक्के दिए और 230 रुपए लौटाने का सुझाव दिया।

लेकिन कैंडिडेट ने मना कर दिया और कहा कि मशीन साफ तौर पर 228 रुपए दिखा रही है। वह अपना काउंटर बंद कर दूसरे काउंटर पर गया, छुट्टे लिए और बिल्कुल सही रकम लौटाई। इस पूरी प्रक्रिया में करीब चार मिनट लगे और इस दौरान कतार में पांच और ग्राहक बढ़ गए। एचआर टीम ने उसे एक हफ्ते की ट्रेनिंग पर भेजने का निर्णय किया- कैश संभालने की नहीं, बल्कि भीड़ संभालने की। दोनों कैंडिडेट तकनीकी रूप से सक्षम थे।

लेकिन जो चीज दोनों को अलग करती थी, वह था काम के प्रति उनका रवैया। रविवार दोपहर महाराष्ट्र के जलगांव स्थित जैन इरिगेशन के कार्यालय में जब मेरी मुलाकात कंपनी के चारों प्रमोटर भाइयों—अशोक जैन, अनिल जैन, अजित जैन और अतुल जैन—से हुई, और मैंने उन्हें ये उदाहरण सुनाए तो उनका भी यही मानना था कि समाज जिस तरह से जेन-जी को नकारात्मक रूप में पेश कर रहा है, वे वास्तव में उतने बुरे नहीं हैं।

उनका कहना था कि जेन-जी के युवा अलग तरह से सोचते हैं, कुछ खास मूल्य-व्यवस्था को महत्व देते हैं और अपनी बात खुलकर व्यक्त करते हैं। शायद यही वजह है कि समाज उनके बारे में कई तरह की धारणाएं बना लेता है। अनिल जैन ने कहा, 'जेन-जी को संभालने के लिए हमें सबसे पहले अपने भीतर नेतृत्व क्षमता विकसित करनी होगी।' कोई आश्चर्य नहीं कि आप सभी ने वो सुना होगा, जो पिछले हफ्ते बिल गेट्स ने फ्यूचर टेक्नोलॉजी के बारे में कहा।

टेक्नोलॉजी फोरकास्टर के तौर पर उनका रिकॉर्ड काफी अच्छा रहा है। इसलिए उनकी बात पर आपको ध्यान देना चाहिए। उन्होंने भविष्यवाणी की कि आने वाले वर्षों में सिर्फ कुछ जातियों या दिव्यांग लोगों को ही जॉब रिजर्वेशन नहीं दिया जाएगा, बल्कि पूरी मानव प्रजाति ये रिजर्वेशन मांग सकती है, क्योंकि रोबोट और एआई मशीनों की बाढ़ हमारे जॉब छीन सकती है- शायद पहले कैंडिडेट की लापरवाही के कारण या दूसरे की गणितीय समझ की कमी के कारण।

लेकिन मध्य प्रदेश के ब्यावरा के 21 वर्षीय बीएससी स्टूडेंट सुरेंद्र सिंह चौधरी जैसे लोग भी हैं, जिन्हें अपने दरवाजे पर ही जॉब ऑफर मिलते हैं। सात महीनों तक उन्होंने अकेले ही प्रदूषित अजनार नदी की सफाई की। शायद इसलिये उन्हें नीदरलैंड्स से जॉब ऑफर मिलने की खबरें आ रही हैं। क्या आपने कभी सोचा है कि हमें सुरेंद्र जैसे कमिटेड एंप्लॉयी क्यों नहीं मिलते?

मैं हमेशा रिजेक्टेड एंप्लॉयीज का इंटरव्यू करता हूं, ताकि उनका व्यवहार समझ सकूं। उन्हें नहीं लगता है कि उन्हें इतना वेतन मिल रहा कि वे अपना घर खरीदने के बारे में सोच सकें। आर्थिक अस्थिरता, कॉस्ट ऑफ लिविंग और और सोशल मीडिया पर लगातार दूसरों से तुलना करना उन्हें जीवन को काम के लिए वैसे समर्पित करने के प्रति हतोत्साहित करता है, जैसे उनके पैरेंट्स ने किया था।

फंडा यह है कि अगर आप जेन-जी के बिहेवियर पैटर्न समझेंगे तो आप उन्हें उनके व्यवहार के कारण रिजेक्ट नहीं करेंगे, जैसा कि मैंने पहले उम्मीदवार को जॉब ऑफर की थी।

प्यार और अच्छी चीजें थोड़ी मात्रा में भी असरदार होती हैं

बचपन में सड़क पर खेलना- खासकर तब जब मौसम बहुत अनुकूल न हो- कभी आसान काम नहीं था। घंटेभर तक इधर-उधर भागने के बाद हम पसीने से तरबतर हो जाते और अपनी प्यास बुझाने के लिए किसी चीज की बेसब्री से तलाश करने लगते।

सड़क किनारे लगा हैं डपंप प्यास तो बुझा देता था, लेकिन लगता था कि हमारा शरीर अपनी खोई हुई ऊर्जा वापस पाने के लिए कुछ और मांग रहा है। दो या पांच मिनट के छोटे-से ब्रेक में हम घर की ओर दौड़ते, आंगन के वॉशरूम का इस्तेमाल करते, जल्दी-जल्दी हाथ धोते और शेल्फ पर रखे जार में सीधे हाथ डालकर जो कुछ मिल जाए, उठा लेते। यह लगभग हर रविवार का नियम था।

ज्यादातर समय हमारी नानी ने वहां पर 'परुप्पु वडई' बनाकर रखी होती थी। जिन लोगों को परुप्पु वडई या दाल वडई और होटलों में मिलने वाले मेदु वड़ा के बीच का फर्क मालूम नहीं है, उनके लिए यह अंतर बहुत सरल है। परुप्पु वडई मुख्यत: दालों से बनती है- आमतौर पर चना दाल और परिवार की पसंद के अनुसार तुअर या उड़द जैसी दूसरी दालों से। नानी उसमें और भी बहुत-सी चीजें डालती थीं, जिनके नाम तक शायद बच्चों को मालूम नहीं होते।

लेकिन तब हमें परुप्पु वडई के पोषण संबंधी गुणों की कोई परवाह नहीं हुआ करती थी। हम बस एक खाते, दूसरी जेब में रखते और यह सोचते हुए वापस गली की ओर दौड़ पड़ते कि उससे हमें अपने खेल का अगला राउंड जीतने के लिए पर्याप्त ऊर्जा मिल गई है।

यह बात काफी हद तक वैसी ही है, जैसे हमारे बच्चों की कई पीढ़ियों ने पोपेये को स्पिनाच की एक छोटी-सी कैन खोलते, उसे खाते और फिर अचानक इतना ताकतवर हो जाते देखा है कि वह अपने सबसे बड़े दुश्मन का मुकाबला कर सके।

इस कार्टून ने एक साधारण हरी सब्जी को ताकत के प्रतीक में बदल दिया। पोपेये का स्पिनाच प्रोटीन-पोषण पर कोई वैज्ञानिक सबक तो बिल्कुल नहीं था, लेकिन उसका संदेश बेहद प्रभावशाली था : किसी अच्छी चीज की थोड़ी-सी मात्रा भी आपको अधिक ताकतवर महसूस करा सकती है। यह इस बात का शानदार उदाहरण भी था कि कैसे कहानी कहने का तरीका बच्चों की खान-पान की आदतों को प्रभावित कर सकता है।

भारत के विज्ञापन उद्योग ने दशकों से इसी मनोविज्ञान का इस्तेमाल किया है। ग्रोथ और ताकत से जोड़कर पेश किए जाने वाले माल्ट-आधारित पेय से लेकर सुविधाजनक पोषण के रूप में प्रचारित किए जा रहे नए प्रोटीन-युक्त स्नैक्स तक- संदेश अकसर सीधा-सरल ही रहा है : शरीर को कुछ उपयोगी देने के लिए जरूरी नहीं कि आपको बहुत ज्यादा खाना पड़े।

आधुनिक मांओं ने भी यह तरकीब अपनाई है, शायद किसी भी ब्रांड से ज्यादा चतुराई के साथ। उन्होंने समझ लिया है कि बच्चे को पोषण से लुभाने की हमेशा ही जरूरत नहीं होती; इसके बजाय उसे उससे जुड़ा एहसास भी परोसा जा सकता है। परांठे के अंदर थोड़ा-सा पनीर, डोसे में बेसन, सूप में दाल या पोहे में पिसी हुई मूंगफली- ये सब चुपचाप किसी जाने-पहचाने भोजन में पोषण जोड़ सकते हैं। बच्चे को कुछ फायदेमंद मिल जाता है, लेकिन उसे ऐसा महसूस नहीं होता कि उसे 'हेल्दी फूड की सजा' दी जा रही है। दिलचस्प बात यह है कि आज जब शहरी परिवार सुपरमार्केट की अलमारियों पर प्रोटीन उत्पादों की भरमार देख रहे हैं, वहीं ग्रामीण रसोई लंबे समय से रोजमर्रा के खानपान में प्रोटीन उपलब्ध कराती आई हैं। चीजें पहले ही हमारी रसोई में मौजूद थीं; बस उनके साथ आकर्षक पैकेजिंग या न्यूट्रिशन लेबल नहीं लगा था। आधुनिक परिवारों और शायद प्रोटीन ब्रांड्स के लिए भी सीख वही है, जिसे हमारी नानियां सहज रूप से जानती थीं : पोषण का समाधान हमेशा खाने की किसी नई चीज या बड़ी मात्रा में नहीं होता। कई बार यह किसी पुराने, परिचित भोजन को सही तरीके से, सही मात्रा में- शायद थोड़ी और आसानी से खाई जा सकने वाली मात्रा में- सही समय पर परोसने में होता है। ठीक उस छोटी-सी परुप्पु वडई की तरह, जिसे हम दो खेलों के बीच झटपट उठाकर खा लिया करते थे। फंडा यह है कि अच्छी चीजें बड़ी मात्रा में ही मिलें, यह जरूरी नहीं। अच्छाई की एक छोटी-सी खुराक भी अपना असर बनाए रख सकती है, जरूरतें पूरी कर सकती है और आपको भीतर से थोड़ा अधिक मजबूत महसूस करा सकती है।

क्या तेज विकास दर बढ़ते कर्ज की चिंता को खत्म कर देती है?

राष्ट्रीय राजधानी का आइटीओ। यहां से दीनदयाल मार्ग गुजरता है। जैसे ही शाम ढलती है और रात का अंधेरा छाने लगता है, सौ से अधिक लोग फुटपाथ को अपना बिस्तर बना लेते हैं। इसी दीनदयाल मार्ग पर देश की दो बड़ी राजनीतिक पार्टियों, भारतीय जनता पार्टी और कांग्रेस के राष्ट्रीय मुख्यालय हैं। नीतियां बनाने वाले अधिकारी दिन-रात इस रास्ते से गुजरते हैं। एक ही सडक़ पर सत्ता, व्यवस्था और बेघर जिंदगी की ये तस्वीरें साथ-साथ दिखाई देती हैं। यह सिर्फ दिल्ली की एक सडक़ की तस्वीर नहीं है। यह उस सवाल की भी तस्वीर है, जो आज देश की अर्थव्यवस्था के बड़े आंकड़ों के बीच खड़ा है, क्या आर्थिक विकास का असर उस आदमी तक भी पहुंच रहा है, जो रात फुटपाथ पर गुजारने को मजबूर है?

इसी बीच, भारतीय अर्थव्यवस्था से जुड़ी एक अच्छी खबर आई है। चालू वित्त वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही में देश की अर्थव्यवस्था 7.8 प्रतिशत की दर से बढ़ी है। पिछले साल इसी तिमाही में विकास दर 6.9 प्रतिशत थी। आंकड़ा मजबूत है और आर्थिक गतिविधियों में तेजी का संकेत देता है। लेकिन अर्थव्यवस्था की पूरी तस्वीर केवल जीडीपी की दर से नहीं समझी जा सकती। इसी तस्वीर का दूसरा पहलू यह है कि 31 मार्च 2026 तक केंद्र सरकार की कुल देनदारियां बढक़र 201.17 लाख करोड़ रुपए हो गई हैं। एक साल पहले यह करीब 185.95 लाख करोड़ रुपए थीं। 2014-15 में केंद्र की कुल देनदारियां करीब 64.11 लाख करोड़ रुपए थीं, यानी एक दशक में यह रकम तीन गुना से भी अधिक हो गई।

यहीं से असली सवाल पैदा होता है। देश की अर्थव्यवस्था बढ़ रही है और सरकार का कर्ज भी बढ़ रहा है। क्या तेज विकास दर बढ़ते कर्ज की चिंता को खत्म कर देती है? शायद नहीं। कर्ज अपने आप में बुरा नहीं होता, लेकिन यह जरूर देखा जाना चाहिए कि कर्ज लेकर किया गया खर्च देश की अर्थव्यवस्था और लोगों की जिंदगी में कितना सुधार ला रहा है। आखिरकार आर्थिक विकास का अंतिम उद्देश्य केवल आंकड़ों को बड़ा करना नहीं, बल्कि लोगों के जीवन को बेहतर बनाना है।

सबसे पहले 7.8 प्रतिशत की विकास दर को समझना जरूरी है। अप्रेल से जून 2026 के बीच वास्तविक जीडीपी में 7.8 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। अर्थव्यवस्था के कई क्षेत्रों में तेजी रही। वित्तीय सेवाओं, रियल एस्टेट, आइटी और प्रोफेशनल सर्विसेज में 12.1 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज हुई। मैन्युफैक्चरिंग में 9.2 प्रतिशत की वृद्धि रही। पूरे सर्विस सेक्टर की वृद्धि 10 प्रतिशत रही, जबकि व्यापार, होटल, परिवहन और संचार से जुड़े क्षेत्र 8.5 प्रतिशत बढ़े। घरेलू खपत में 7.1 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। निवेश और पूंजी निर्माण को दर्शाने वाला ग्रॉस फिक्स्ड कैपिटल फॉर्मेशन भी 11.9 प्रतिशत बढ़ा। कृषि और उससे जुड़े क्षेत्रों की वृद्धि 3.6 प्रतिशत रही। ये आंकड़े अर्थव्यवस्था की गति जरूर बताते हैं, लेकिन इनसे यह पता नहीं चलता कि इस वृद्धि का फायदा समाज के किस हिस्से को कितना मिला। जीडीपी पूरे देश की आर्थिक गतिविधियों का आंकड़ा है। यह किसी परिवार की आमदनी, किसी मजदूर की मजदूरी या किसी युवा को मिली नौकरी का सीधा हिसाब नहीं देती। इसलिए 7.8 प्रतिशत की विकास दर अच्छी खबर जरूर है, लेकिन इसे आम आदमी की आर्थिक स्थिति का पूरा आईना मान लेना सही नहीं होगा।

दूसरी तरफ, 201.17 लाख करोड़ रुपए की केंद्र सरकार की कुल देनदारियां भी गंभीर चर्चा का विषय हैं। यहां यह स्पष्ट करना जरूरी है कि यह भारत का कुल कर्ज नहीं है। यह केंद्र सरकार की कुल देनदारियां हैं। राज्यों का कर्ज इसमें शामिल नहीं है। इसलिए 201 लाख करोड़ रुपए को पूरे देश का कर्ज बताना गलत होगा। लेकिन इतनी बड़ी रकम और पिछले वर्षों में इसमें हुई तेज बढ़ोतरी को नजरअंदाज करना भी उचित नहीं होगा। कर्ज को समझने के लिए उसकी तुलना अर्थव्यवस्था के आकार से की जाती है। केंद्र सरकार का डेब्ट टू जीडीपी रेश्यो वित्त वर्ष 2025-26 में करीब 58.2 प्रतिशत रहा। केंद्र और राज्यों को मिलाकर सामान्य सरकारी कर्ज करीब 81 प्रतिशत के आसपास है। इसलिए केवल 201 लाख करोड़ रुपए का आंकड़ा देखकर भारत को आर्थिक संकट में बताना सही नहीं होगा, लेकिन बढ़ते कर्ज को लेकर सवाल उठाना भी जरूरी है। खासकर तब, जब सरकार को हर साल पुराने कर्ज पर बड़ी रकम ब्याज के रूप में चुकानी पड़ रही हो।

यहीं कर्ज का सबसे बड़ा दबाव सामने आता है। आर्थिक सर्वेक्षण के अनुसार वित्त वर्ष 2024-25 में केंद्र की नेट रेवेन्यू रिसिप्ट्स का करीब 36.8 प्रतिशत हिस्सा ब्याज भुगतान में चला गया। संसद में दी गई जानकारी के अनुसार 2025-26 में केंद्र सरकार ने करीब 12.43 लाख करोड़ रुपए ब्याज के रूप में चुकाए। 2026-27 के बजट में ब्याज भुगतान के लिए करीब 14.04 लाख करोड़ रुपए का प्रावधान किया गया है। यह रकम इसलिए महत्वपूर्ण है, क्योंकि सरकार का बजट असीमित नहीं होता। पुराने कर्ज पर ब्याज चुकाने में जितना अधिक पैसा जाएगा, दूसरी प्राथमिकताओं के लिए उतनी ही गुंजाइश सीमित हो सकती है। शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार, ग्रामीण विकास और सार्वजनिक सुविधाओं पर खर्च के लिए उपलब्ध संसाधनों पर इसका असर पड़ सकता है। इसलिए सरकारी कर्ज केवल सरकारी खातों का मामला नहीं है। उसका संबंध भविष्य के बजट और अंतत: आम नागरिक से भी है।

हालांकि, यह कहना सही नहीं होगा कि सरकार का हर कर्ज सीधे जनता की जेब से निकलता है। सरकार की आय टैक्स और दूसरे स्रोतों से आती है और कर्ज का इस्तेमाल अलग-अलग कामों में होता है। लेकिन कर्ज पर ब्याज चुकाने की जिम्मेदारी भविष्य के बजट पर रहती है। इसलिए असली सवाल यह होना चाहिए कि सरकार ने जितना कर्ज लिया, उससे कितनी उत्पादन क्षमता बढ़ी, कितने रोजगार पैदा हुए और लोगों की आमदनी में कितना सुधार हुआ।

मानवता के निर्माण का पवित्र कार्य है शिक्षण

शिक्षक नियति-निर्माता होते हैं। करोड़ों विद्यार्थियों के जीवन में विद्या, कौशल, नैतिकता और प्रेरणा का संचार करने वाले शिक्षकों के प्रति सभी देशवासियों की ओर से, 'शिक्षक दिवस' के अवसर पर, मैं कृतज्ञता व्यक्त करती हूं। यह सर्वविदित है कि हमारे देश के द्वितीय राष्ट्रपति डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन चाहते थे कि उनका जन्मदिन 'शिक्षक दिवस' के रूप में मनाया जाए। वे विश्वविख्यात विद्वान, लेखक और स्टेट्समैन थे, लेकिन शिक्षक की भूमिका को उन्होंने सबसे महत्वपूर्ण माना। अत्यंत लोकप्रिय पूर्व राष्ट्रपति डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम से एक बार पूछा गया कि उन्हें लोग एक वैज्ञानिक के रूप में याद करेंगे या राष्ट्रपति के रूप में। कलाम साहब ने उत्तर दिया कि वे चाहेंगे कि उन्हें एक शिक्षक के रूप में याद किया जाए।

शिक्षक श्रद्धेय हों और विद्यार्थी श्रद्धालु हों, यही हमारा आदर्श रहा है। हमारे प्राचीन ग्रन्थों में कहा गया है कि शिक्षक विद्यार्थियों से अपनी संतान की तरह प्यार करें, उनसे भेदभाव रहित समानता का व्यवहार करें, उन पर क्रोध न करें, धैर्यवान हों, विद्यार्थियों के कल्याण पर दृष्टि केंद्रित रखें एवं उनकी ग्रहणशक्ति के अनुसार शिक्षा प्रदान करें। ऐसे शिक्षकों के प्रति सम्मान के भाव से ही लगभग तीन हजार वर्ष पहले, तैत्तिरीय उपनिषद की शिक्षावल्ली में 'आचार्यदेवो भव' का संदेश दिया गया है।सौभाग्य से अपने विद्यार्थी जीवन में मुझे बहुत अच्छे और स्नेही शिक्षकों का मार्गदर्शन मिलता रहा। हमारी टीचर्स, स्कूल की छुट्टी के बाद भी, कभी-कभी अपने घर में ही हमें पढ़ाती थीं और हमारी देखभाल भी करती थीं। सातवीं कक्षा के बाद, अपने गांव से बाहर जाकर पढ़ाई करने वाली मैं पहली छात्रा थी। आगे की पढ़ाई के दौरान भुवनेश्वर में भी मुझे शिक्षकों का भरपूर स्नेह और मार्गदर्शन मिलता रहा। अपने शिक्षकों का विनम्रतापूर्वक उल्लेख मैंने यह बताने के लिए किया है कि स्नेही और समर्पित शिक्षक विद्यार्थियों में असीम क्षमता और प्रेरणा का संचार करते हैं। इससे शक्ति पाकर विद्यार्थियों में किसी भी चुनौती का सामना करने का साहस और बड़े से बड़े लक्ष्य को प्राप्त करने का उत्साह बना रहता है। मैं मानती हूं कि शिक्षक पाठ्यक्रम तो पढ़ाते ही हैं, अपनी गतिविधियों से, विद्यार्थियों को जीने की कला भी सिखाते हैं। इस प्रकार शिक्षक अपने विद्यार्थियों के मार्गदर्शक तो होते ही हैं, उनके शुभचिंतक, मित्र और सहयात्री भी होते हैं। श्रेष्ठ शिक्षक की विशेषता के बारे में हमारी संस्कृति एवं परंपरा में प्राचीन काल से चले आ रहे विचार आज भी पूर्णत: प्रासंगिक हैं। शिक्षण कर्म केवल एक वृत्ति नहीं है, एक व्रत है। यह केवल व्यवसाय या नौकरी नहीं है, अपितु मानवता के निर्माण का पवित्र कार्य है। यह भावी पीढियों के लिए मार्ग प्रशस्त करने का सत्कार्य है। शिक्षाकार्य से जुड़ी स्मृतियां मुझे विशेष संतोष देती हैं। मैंने ओडिशा के राइरंगपुर में स्थित 'श्री ऑरोबिंदो इंटीग्रल स्कूल' में बच्चों को पढ़ाया है। विभिन्न विषयों को पढ़ाने के अलावा मैं बच्चों के साथ संगीत, खेल-कूद और नाटक की तैयारियों में पूरे मन से उनकी सहायता करती थी। बच्चों के साथ स्वतंत्रता दिवस और गणतंत्र दिवस की तैयारी और उन समारोहों में उनके उत्साह को याद करके आज भी मुझे रोमांच होता है। विद्यार्थियों को सुंदर प्राकृतिक स्थलों पर पिकनिक के लिए ले जाना तथा खेल-खेल में उन्हें जीव-जंतुओं और पेड़-पौधों के बारे में जानकारी देना मुझे बहुत सार्थक लगता था।

स्कूल की शिक्षा पूरी करने के बरसों बाद भी मेरे विद्यार्थी मुझे अपने पारिवारिक उत्सवों में बुलाते रहे हैं। मुझे अपने अनेक विद्यार्थियों के नाम तो याद हैं ही, उनको पुकारने के उपनाम भी मुझे आज तक याद हैं। मैंने जिन बच्चों को पढ़ाया है, उनसे बहुत कुछ सीखा भी है। मैं समझती हूं कि बच्चों की सहजता और जिज्ञासा सभी शिक्षकों को बहुत कुछ सिखाती है।राष्ट्रपति के रूप में अपने कार्यकाल का दूसरा वर्ष पूरा होने के अवसर पर मैंने राष्ट्रपति भवन परिसर में स्थित स्कूल के विद्यार्थियों को पर्यावरण संरक्षण के विषय पर पढ़ाया और उनसे बातचीत की। मेरा प्रयास रहता है कि मैं विद्यार्थियों से मिलूं और उनके विचारों को समझूं। उनकी बातें मेरे ध्यान में बनी रहती हैं। लगभग ग्यारह वर्ष पहले, मैंने गांव के अपने निवास-स्थान में एक आवासीय विद्यालय की स्थापना की थी। उस विद्यालय में अनाथ तथा वंचित परिवारों के बच्चे शिक्षा प्राप्त करते हैं। उन बच्चों से मिलने मैं वहां जाती रहती हूं। इस वर्ष 20 जून को अपने जन्मदिन पर उन बच्चों से मिलकर मुझे बहुत प्रसन्नता हुई। उस दिन मेरे साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी ने भी उस विद्यालय में जाकर उन बच्चों का उत्साहवर्धन किया। उनसे मिलने का असाधारण अनुभव बच्चों के लिए प्रेरणा का अक्षय स्रोत बना रहेगा। उन बच्चों की प्रगति को देखकर मुझे विशेष सार्थकता की अनुभूति होती है।

मानवता के निर्माण का पवित्र कार्य है शिक्षण

करन सिंह होरा
संपादक
साकार भारत

शिक्षक नियति-निर्माता होते हैं। करोड़ों विद्यार्थियों के जीवन में विद्या, कौशल, नैतिकता और प्रेरणा का संचार करने वाले शिक्षकों के प्रति सभी देशवासियों की ओर से, 'शिक्षक दिवस' के अवसर पर, मैं कृतज्ञता व्यक्त करती हूं। यह सर्वविदित है कि हमारे देश के द्वितीय राष्ट्रपति डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन चाहते थे कि उनका जन्मदिन 'शिक्षक दिवस' के रूप में मनाया जाए। वे विश्वविख्यात विद्वान, लेखक और स्टेट्समैन थे, लेकिन शिक्षक की भूमिका को उन्होंने सबसे महत्वपूर्ण माना। अत्यंत लोकप्रिय पूर्व राष्ट्रपति डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम से एक बार पूछा गया कि उन्हें लोग एक वैज्ञानिक के रूप में याद करेंगे या राष्ट्रपति के रूप में। कलाम साहब ने उत्तर दिया कि वे चाहेंगे कि उन्हें एक शिक्षक के रूप में याद किया जाए।

शिक्षक श्रद्धेय हों और विद्यार्थी श्रद्धालु हों, यही हमारा आदर्श रहा है। हमारे प्राचीन ग्रन्थों में कहा गया है कि शिक्षक विद्यार्थियों से अपनी संतान की तरह प्यार करें, उनसे भेदभाव रहित समानता का व्यवहार करें, उन पर क्रोध न करें, धैर्यवान हों, विद्यार्थियों के कल्याण पर दृष्टि केंद्रित रखें एवं उनकी ग्रहणशक्ति के अनुसार शिक्षा प्रदान करें। ऐसे शिक्षकों के प्रति सम्मान के भाव से ही लगभग तीन हजार वर्ष पहले, तैत्तिरीय उपनिषद की शिक्षावल्ली में 'आचार्यदेवो भव' का संदेश दिया गया है।सौभाग्य से अपने विद्यार्थी जीवन में मुझे बहुत अच्छे और स्नेही शिक्षकों का मार्गदर्शन मिलता रहा। हमारी टीचर्स, स्कूल की छुट्टी के बाद भी, कभी-कभी अपने घर में ही हमें पढ़ाती थीं और हमारी देखभाल भी करती थीं। सातवीं कक्षा के बाद, अपने गांव से बाहर जाकर पढ़ाई करने वाली मैं पहली छात्रा थी। आगे की पढ़ाई के दौरान भुवनेश्वर में भी मुझे शिक्षकों का भरपूर स्नेह और मार्गदर्शन मिलता रहा। अपने शिक्षकों का विनम्रतापूर्वक उल्लेख मैंने यह बताने के लिए किया है कि स्नेही और समर्पित शिक्षक विद्यार्थियों में असीम क्षमता और प्रेरणा का संचार करते हैं। इससे शक्ति पाकर विद्यार्थियों में किसी भी चुनौती का सामना करने का साहस और बड़े से बड़े लक्ष्य को प्राप्त करने का उत्साह बना रहता है। मैं मानती हूं कि शिक्षक पाठ्यक्रम तो पढ़ाते ही हैं, अपनी गतिविधियों से, विद्यार्थियों को जीने की कला भी सिखाते हैं। इस प्रकार शिक्षक अपने विद्यार्थियों के मार्गदर्शक तो होते ही हैं, उनके शुभचिंतक, मित्र और सहयात्री भी होते हैं। श्रेष्ठ शिक्षक की विशेषता के बारे में हमारी संस्कृति एवं परंपरा में प्राचीन काल से चले आ रहे विचार आज भी पूर्णत: प्रासंगिक हैं। शिक्षण कर्म केवल एक वृत्ति नहीं है, एक व्रत है।

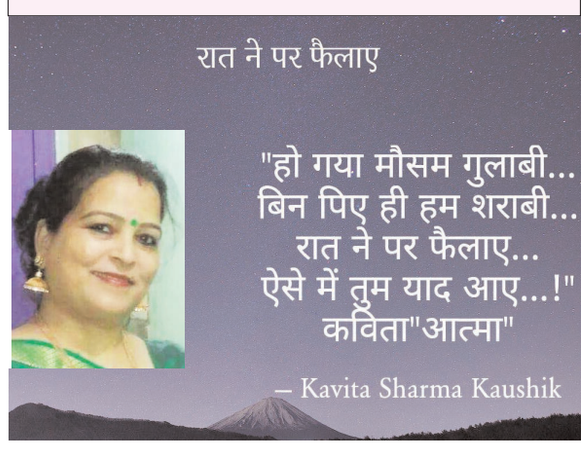

युग तुलसी श्रीरामकिंकर उवाच ...

जब विभीषणजी भगवान राम की शरण में आए और सुग्रीव ने कहा कि प्रभु ! दसानन का भाई आया हुआ है और मेरी तो स्पष्ट धारणा है कि इसे बंदी बनाकर रख लेना चाहिए। इस प्रसंग में प्रधानमंत्री सुग्रीव, हनुमानजी एवं प्रभु में बड़ा मीठा विनोद हुआ।

हनुमानजी ने कहा, महाराज ! अगर यह कर्म सिद्धांत के अनुकूल आपके न्यायालय में विभीषणजी गए होते हैं तब तो –

करम प्रधान विश्व करि राखा। जो जस करइ सो तस फल चाखा।।

के अनुसार यह विचार किया जा सकता था कि ये राक्षस हैं, रावण के भाई हैं और यह स्वयं कैसे हैं ? लेकिन यह तो आपकी शरण में आए हुए हैं और शरण में आकर ये स्वयं अपना परिचय अच्छे रूप में नहीं दे रहे हैं। ये तो स्वयं कह रहे हैं कि निशाचर जाति में मेरा जन्म हुआ है, मैं रावण का भाई हूं। हनुमानजी ने कहा कि प्रभु ! आपका

विभीषणजी के बारे में मुझसे प्रश्न करने में भूल यही है कि अगर किसी औषधालय में कोई व्यक्ति घुसे और वैद्य जी कहें कि तुम बिल्कुल स्वस्थ हो कि नहीं ? तो रोगी रहेगा कि महाराज ! अगर हम स्वस्थ होते तो आपके औषधालय में आते ही क्यों ? मुझे तो आना ही इसलिए पड़ा कि मैं अस्वस्थ हूं। हनुमानजी ने कहा कि महाराज ! आपकी परंपरा के अनुकूल शरणागति न्यायालय नहीं है, आप न्याय के आसन पर नहीं बैठे हुए हैं, इसलिए मैं यह नहीं कहता कि विभीषण बहुत अच्छे हैं। मैं तो कहता हूं – खोटो खरो सभीत पालिए सो सनेह सम्मान सों – चाहे वे अच्छे हैं, चाहे वे बुरे हैं, जब अपनी बुराई को उन्होंने समझ लिया और उस बुराई को आपके चरणों में निवेदन कर दिया तो विचार कैसा ?

शिष्य विशु व्ही.पी. नेगी
श्री रामकिंकर आध्यात्मिक मिशन रायपुर
मो.नं. 9425227937

Vastu Guruji
BEST PLACE FOR VASTU REMEDY

BUY NOW >
CALL 9770888888

7 स्थानों पर 1.89 लाख ओवरस्पीड वाहनों की पहचान:तेलीबांधा और वीआईपी रोड जैसे व्यस्त इलाके में भी 100 की खतरनाक गति से वाहन चला रहे लोग

रायपुर। राज्य की सड़कों पर वाहन बेकाबू रफ्तार से दौड़ रहे हैं। आउटर और हाईवे तो दूर शहरों के बीच से गुजरने वाली सड़कों पर भी 100-100 तक की स्पीड से गाड़ी दौड़ा रहे हैं। ये खुलासा परिवहन विभाग की सर्वे रिपोर्ट से हुआ है।

राज्य के महज 7 स्थानों पर लगाए गए लेजर स्पीड कैमरों ने एक महीने के भीतर 1.89 लाख हाई स्पीड वाहनों की पहचान की है। सर्वे की सबसे चौंकाने वाली बात यह है कि ओवरस्पीडिंग सिर्फ नेशनल हाईवे तक सीमित नहीं है, बल्कि रायपुर के तेलीबांधा और वीआईपी रोड जैसे हेवी ट्रैफिक वाले इलाकों में भी लोग अपने वाहन हाईवे जैसी रफ्तार से दौड़ा रहे हैं।

राज्य में लगातार बढ़ रहे सड़क हादसों को रोकने के लिए कई स्तर पर प्रयास किए जा रहे हैं। हेलमेट से लेकर ट्रैफिक सिग्नल तोड़ने वाले वाहन चालकों को ऑनलाइन चालान उनके घर भेजा जा रहा है।

अभी तक हाई स्पीड को लेकर छुटपुट कार्रवाई की जाती रही है। हालांकि इस कार्रवाई को लेकर सवाल भी उठते हैं कि राज्य में किसी भी सड़क पर स्पीड लिमिट तय नहीं है फिर हाई स्पीड पर कार्रवाई कैसे की जा रही है।

पड़ताल के दौरान पता चला है कि राज्य में केंद्रीय परिवहन मंत्रालय की ओर से जो स्पीड विभिन्न वाहनों के लिए तय की गई है उसे यहां भी लागू किया गया है। उसी आधार पर चालान किया जा रहा है लेकिन अभी यहां ऐसे हाईटेक कैमरे ज्यादा नहीं है जो भीड़ के समय में भी प्रत्येक वाहनों की स्पीड जांच सके।

परिवहन विभाग ने राज्य के चुने हुए 7 स्थानों पर ऐसे कैमरे लगाए हैं। अब वहां स्पीड की जांच की जा रही है। फिलहाल धमतरी, अंबिकापुर, जगदलपुर, मंदिर हसौद, तेलीबांधा और वीआईपी रोड सहित 7 लोकेशनों पर लेजर आधारित स्पीड कैमरे लगाकर सर्वे किया जा रहा है।

पिछले एक माह की पड़ताल के दौरान पता चला है कि सबसे अधिक ओवरस्पीडिंग अंबिकापुर और धमतरी मार्ग पर दर्ज की गई, जहाँ बड़ी संख्या में वाहन 80 से 120 किमी प्रति घंटे से अधिक की गति से गुज़रते हैं। वहीं, रायपुर के मंदिर हसौद में भी 100 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से वाहन दौड़ाने वाले कम नहीं है।

चिंताजनक पहलू यह है कि यही हाल शहर के भीतर भी है। तेलीबांधा और वीआईपी रोड जैसे इलाकों में, जहाँ दिनभर भारी ट्रैफिक रहता है, वहाँ भी कार और बाइक वाले हाई स्पीड दौड़ा रहे हैं।

अधिकारियों के मुताबिक, 100 किमी/घंटे से अधिक की रफ्तार ज्यादातर रात में दर्ज हुई है, लेकिन दिन के समय भी कई वाहन हादसों के खतरे से बेखबर अपनी मर्जी की रफ्तार से वाहन दौड़ाते हैं।

किराए पर उपलब्ध है
तेलीबांधा शीतल कॉम्प्लेक्स में दुकान/ऑफिस के लिए जगह किराए पर उपलब्ध है।
संपर्क-9302222222

11 सितंबर को सरकारी कर्मचारियों का प्रदर्शन

रायपुर। महंगाई भत्ते, एरियर और नियमितीकरण समेत 5 सूत्रीय मांगों को लेकर प्रदेश के नियमित-अनियमित कर्मचारी, अधिकारी और पेंशनर्स अब आंदोलन की तैयारी में हैं। 'एक मांग-एक मंच अभियान' के बैनर तले 11 सितंबर को इंद्रावती भवन के सामने भोजनावकाश में सांकेतिक प्रदर्शन किया जाएगा। इसके बाद मुख्य सचिव के नाम ज्ञापन सौंपा जाएगा।

संगठन का आरोप है कि कर्मचारियों की मांगों को लेकर सरकार और प्रशासन गंभीर नहीं हैं। उनका कहना है कि लंबे समय से कई मांगें लंबित हैं, जिससे कर्मचारियों के आर्थिक हित प्रभावित हो रहे हैं। कर्मचारी संगठनों की प्रमुख मांग है कि जनवरी 2026 से महंगाई भत्ता जारी किया जाए और 86 महीने का एरियर दिया जाए। संगठनों का कहना है कि न्यूनतम वेतन में पिछले 9 साल से और संविदा वेतन में पिछले 3 साल से कोई बढ़ोतरी नहीं हुई है। इससे बड़ी संख्या में अनियमित कर्मचारियों पर आर्थिक असर पड़ रहा है। कर्मचारी संगठनों ने अनियमित कर्मचारियों के नियमितीकरण और निकाले गए कर्मचारियों की बहाली की मांग की है।

रायपुर के 10 जोन में लगेंगे 160 हाईटेक कैमरे:सड़क पर कचरा फेंकने वालों पर होगी निगरानी और कार्रवाई

रायपुर। शहर की सड़कों और सार्वजनिक जगहों पर कचरा फेंकने वालों पर अब नगर निगम की नजर रहेगी। रायपुर के सभी 10 जोन में इस महीने करीब 160 हाईटेक नाइट विजन कैमरे लगाए जा रहे हैं। इन कैमरों की मदद से सड़क किनारे कचरा फेंकने, वाहन से कचरा उतारने या खुले में कचरा डालने वालों की पहचान की जाएगी।

निगम के मुताबिक कैमरों की रिकॉर्डिंग के आधार पर संबंधित व्यक्ति या वाहन तक पहुंचकर कार्रवाई की जाएगी। कैमरों को सोलर पैनल और माइक्रोचिप सिस्टम से संचालित किया जाएगा, जिससे बिजली की नियमित सप्लाई पर निर्भरता कम होगी।

कैमरों में नाइट विजन की सुविधा होगी। अंधेरे में भी करीब 50 मीटर तक की तस्वीर साफ रिकॉर्ड की जा सकेगी। जरूरत पड़ने पर स्ट्रीट लाइट की रोशनी में इसकी निगरानी क्षमता और बढ़ जाएगी।

निगम अधिकारियों के अनुसार कैमरों की रिकॉर्डिंग को सुरक्षित रखा जाएगा। किसी जगह कचरा फेंकने की घटना सामने आने पर फुटेज के जरिए व्यक्ति या वाहन की पहचान कर कार्रवाई की जा सकेगी।

सीसीडी वेस्ट वाहनों पर भी रहेगी नजर

सिर्फ सड़क पर कचरा फेंकने वालों की ही नहीं, बल्कि कचरा कलेक्शन के लिए चलने वाले वाहनों की भी निगरानी की जाएगी। वाहनों के नंबर रिकॉर्ड किए जाएंगे और यह पता लगाया जा सकेगा कि कचरा कहां से उठाया गया और उसे किस जगह डाला गया।

मोबाइल ऐप से 24 घंटे मॉनिटरिंग

कैमरों की निगरानी के लिए मोबाइल ऐप से जुड़ा सिस्टम तैयार किया जा रहा है। इसमें जोन कमिश्नर और संबंधित अधिकारी-कर्मचारी कैमरों की लाइव मॉनिटरिंग कर सकेंगे। निगम ने इसके लिए एक कमांड सेंटर तैयार करने की भी योजना बनाई है। कैमरों से मिलने वाली तस्वीरों और वीडियो को जरूरत पड़ने पर कार्रवाई के लिए सबूत के तौर पर इस्तेमाल किया जाएगा।

23 संवेदनशील जगहों पर कैमरे लगाने की शुरुआत

निगम ने पुलिस के साथ मिलकर शहर की करीब 23 संवेदनशील जगहों को चिह्नित किया है। इनमें व्यावसायिक और भीड़भाड़ वाले इलाके शामिल हैं। इन स्थानों पर कैमरे लगाने का काम प्राथमिकता से किया जाएगा।

निगम अधिकारियों का कहना है कि पर्याप्त सबूत नहीं मिलने के कारण कचरा फेंकने के कई मामलों में कार्रवाई नहीं हो पाती। नई व्यवस्था में वीडियो फुटेज मिलने से कार्रवाई के लिए जरूरी साक्ष्य उपलब्ध हो सकेंगे।

तीन साल तक कैमरों का संचालन-संधारण

कैमरों के संचालन और रखरखाव की जिम्मेदारी कंपनी को तीन साल तक दी जाएगी। इसके लिए 15वें वित्त आयोग से स्वच्छता और निगरानी व्यवस्था के लिए मिले फंड का इस्तेमाल किया जाएगा।

रायपुर में रोज करीब 750 टन कचरा निकलता है

शहर से रोजाना करीब 750 टन कचरा प्रोसेसिंग प्लांट भेजा जाता है। इसके बावजूद सार्वजनिक जगहों पर कचरा फेंकने की समस्या बनी हुई है। निगम का मानना है कि कैमरों की निगरानी से खुले में कचरा डालने वालों पर अंकुश लगाने और सफाई व्यवस्था को बेहतर करने में मदद मिलेगी।

सहायक ग्रेड-3 परीक्षा में रायपुर में 51% उपस्थिति:6032 में 3083 अभ्यर्थी ही पहुंचे

रायपुर। छत्तीसगढ़ कर्मचारी चयन मंडल की ओर से विधि एवं विधायी कार्य विभाग के अंतर्गत सहायक ग्रेड-3 और प्रोसेस राइटर भर्ती परीक्षा 2026 रविवार को आयोजित की गई। परीक्षा सुबह 10 बजे से दोपहर 12:15 बजे तक हुई। प्रदेशभर में करीब 10,700 अभ्यर्थी परीक्षा के लिए पंजीकृत थे। इनमें लगभग 54% अभ्यर्थियों ने परीक्षा दी। रायपुर में परीक्षा के लिए समन्वयक केंद्र-25, शासकीय नागार्जुन स्नातकोत्तर विज्ञान महाविद्यालय को केंद्र बनाया गया था।

यहां कुल 18 परीक्षा केंद्रों पर 6032 अभ्यर्थी पंजीकृत थे। इनमें 3083 अभ्यर्थी उपस्थित रहे, जबकि 2949 अभ्यर्थी परीक्षा देने नहीं पहुंचे। रायपुर के इन केंद्रों पर कुल उपस्थिति करीब 51.1% रही।

रायपुर के परीक्षा केंद्रों में सबसे ज्यादा 205 अभ्यर्थी केंद्र क्रमांक 2503 पर उपस्थित हुए। इसके बाद केंद्र 2508 में 196, केंद्र 2510 में 198 और केंद्र 2514 में 194 अभ्यर्थियों ने परीक्षा दी।

वहीं केंद्र क्रमांक 2501 में 143 और केंद्र 2511 में 125 अभ्यर्थी उपस्थित रहे। रायपुर में कुछ केंद्रों पर 300, 272 और 240 अभ्यर्थियों की क्षमता रखी गई थी, जबकि ज्यादातर केंद्रों पर 360 अभ्यर्थियों के बैठने की व्यवस्था थी।

100 ट्रेनों की क्षमता, दौड़ रहीं 140 से ज्यादा..: मालगाड़ियों को प्राथमिकता, इसलिए रायपुर आते-आते घंटों लेट हो रहीं यात्री ट्रेनें

रायपुर। रायपुर रेलवे स्टेशन आने वाली यात्री ट्रेनों की लेटलतीफी लगातार बढ़ रही है। कई ट्रेनें शुरुआती स्टेशनों पर मामूली देरी से चल रही होती हैं, लेकिन रायपुर पहुंचते-पहुंचते घंटों पिछड़ जा रही हैं।

अमरकंटक एक्सप्रेस भोपाल से सिर्फ 3 मिनट लेट रवाना हुई, लेकिन जबलपुर पहुंचते-पहुंचते करीब 3 घंटे और रायपुर में 4 घंटे 18 मिनट लेट हो गई। इसी तरह सारनाथ एक्सप्रेस अनूपपुर में 1 घंटे 7 मिनट लेट थी, जबकि रायपुर पहुंचते-पहुंचते उसकी देरी 2 घंटे 20 मिनट हो गई। इसकी बड़ी वजह रायपुर मंडल में क्षमता से ज्यादा ट्रेनों का परिचालन बताया जा रहा है। मंडल में करीब 100 ट्रेनों के संचालन की क्षमता है, जबकि वर्तमान में 140 से अधिक ट्रेनें चल रही हैं। यानी क्षमता से करीब 40 फीसदी ज्यादा। यात्री ट्रेनों के साथ बड़ी संख्या में मालगाड़ियां भी चल रही हैं। मालगाड़ियों को प्राथमिकता दिए जाने के कारण यात्री ट्रेनों को रास्ते में रोकना पड़ता है। इससे एक स्टेशन से दूसरे स्टेशन तक उनकी देरी बढ़ती जाती है।

वेटिंग हॉल फुल, परेशान यात्री मोबाइल पर देखते रहे ट्रेन का स्टेटस रविवार शाम करीब 4 बजे दैनिक भास्कर टीम रायपुर स्टेशन पहुंची तो एसी वेटिंग हॉल में बैठने तक की जगह नहीं थी। कोई ट्रेन का इंतजार कर रहा था तो कोई बार-बार मोबाइल पर स्टेटस देख रहा था। रायगढ़ से रायपुर पहुंचे आयुष कुमार नंद को आगे बस से बस्तर जाना था। उन्होंने बताया कि ट्रेन रास्ते में जगह-जगह रुकती रही। भीड़ के कारण भी सफर में परेशानी हुई।

सुरेंद्र बाबू को ट्रेन नंबर 12252 कोरबा-यशवंतपुर एक्सप्रेस से अनंतपुर जाना था। रायपुर में ट्रेन का निर्धारित समय सुबह 11:40 और रवानगी 11:45 बजे है। वे समय पर स्टेशन पहुंच गए, लेकिन ट्रेन करीब 8 घंटे लेट थी। यह रात 8:23 बजे रायपुर पहुंची और 8:34 बजे रवाना हुई।

साढ़े 5 घंटे लेट हुई ट्रेन, जरूरी मीटिंग छूट गई बैतूल निवासी सीजो नागपुर से 12833 अहमदाबाद-हावड़ा एक्सप्रेस से रायपुर आ रहे थे। ट्रेन को शनिवार रात 11 बजे पहुंचना था, लेकिन रविवार सुबह 5:30 बजे पहुंची। रातभर सफर के बाद वे फ्रेश होने होटल गए। थकान के कारण नींद लग गई और उनकी जरूरी मीटिंग छूट गई।

ग्रामीणों ने कर्मियों को खदेड़ा: पहाड़ पर फंसी लौह अयस्क खुदाई की मशीन

रायपुर/कांकेर/अंतागढ़। जिले में रेत के बाद अब खनिज माफिया भी बेखौफ हो गया है। बिना अनुमति, लौह अयस्क के सैंपल के लिए महाराष्ट्र की कंपनी भारी-भरकम मशीनें लेकर सूरेवाही (अंतागढ़) के निकट हिचाड़ पहाड़ में खुदाई करने पहुंच गई। जब मशीन पहाड़ पर चढ़ नहीं पाई, तब हल्ला हुआ।

ग्रामीणों ने विरोध किया। इसके बाद खनन कंपनी को बैरंग लौटना पड़ा। एसडीएम का कहना है, ड्रिल के लिए अनुमति नहीं दी गई थी। ग्राम पंचायत और ग्रामीणों की सहमति के बिना कोई खनन कार्य नहीं होगा।

सूरेवाही के निकट हिचाड़ पहाड़ में लौह अयस्क का भंडार मिला है। खनन कार्य के लिए अब तक कोई आदेश जारी नहीं हुआ है। देश की बड़ी खनन कंपनियों की इस पर नजर है। वे इसे लीज पर लेने के लिए लगातार प्रयासरत हैं। यहां मिलने वाले अयस्क में लोहे की मात्रा जानने के लिए सैंपल की जरूरत है। आगे निकलने की होड़ में कंपनियां अंतागढ़ के चक्कर लगा रही हैं।

इसमें शामिल महाराष्ट्र की पीआरबी इंफ्रास्ट्रक्चर प्राइवेट लिमिटेड ने सैंपल लेने के लिए राष्ट्रीय खनिज अन्वेषण ट्रस्ट (एनएमईटी) का हवाला दिया। कंपनी ने अंतागढ़ एसडीएम कार्यालय में बोरहोल ड्रिलिंग की सूचना दी।

ग्राम पंचायत को भी सूचना देने को कहा। एसडीएम कार्यालय ने इसके लिए कंपनी को अनुमति नहीं दी। स्वीकृति मिले बिना कंपनी हिचाड़ पहाड़ में सैंपल लेने खुदाई करने पहुंच गई।

कंपनी के कर्मचारी भारी-भरकम मशीनों के साथ पहुंचे। ग्रामीणों ने उन्हें देखा। उन्होंने ध्यान नहीं दिया। उन्हें लगा कि कर्मचारी और मशीन पोरोंडी में बन रहे पुल के लिए वहां ले जाए जा रहे हैं। कर्मचारी मशीन लेकर पहाड़ पर चढ़ने लगे। मशीन बीच में फंस गई।

पहली बार छत्तीसगढ़ में जिलेवार आंकड़ों में आया सुधार: समय पर जांच, नियमित दवा-निगरानी से 18 हजार HIV मरीज डेंजर जोन से बाहर

रायपुर। छत्तीसगढ़ में एचआईवी के साथ जीवन जी रहे 18 हजार मरीजों का वायरल लोड नियंत्रित स्तर पर आ गया है। इनमें वायरस की मात्रा अब 1000 से नीचे दर्ज की गई है। इससे उनकी रोग प्रतिरोधक क्षमता कमजोर होने और टीबी सहित दूसरी गंभीर बीमारियों की चपेट में आने का खतरा भी कम हुआ है।

मरीजों की समय पर जांच, नियमित दवा लेने और काउंसलर की ओर से उनकी सतत निगरानी किए जाने से ये संभव हुआ। पहली बार वायरल लोड के जिलेवार आंकड़ों में सुधार हुआ है। प्रदेश में एचआईवी के 36 हजार मरीजों की पहचान हुई।

इनमें 33 हजार मरीजों का वायरल लोड टेस्ट किया गया है, जबकि 28 हजार का इलाज शुरू हो चुका है। जांच के अनुसार नियमित दवा लेने वाले 18 हजार मरीजों में वायरस नियंत्रित स्तर पर पहुंच गया है। पहले इनमें से ज्यादातर मरीजों का वायरल लोड करीब छह हजार तक था।

एचआईवी मरीज की शुरुआती जांच में वायरल लोड 6000 के आसपास मिलता है। उसकी रोग प्रतिरोधक क्षमता कमजोर होने लगती है। इससे निमोनिया, बार-बार डायरिया और टीबी का खतरा बढ़ता है। संक्रमण अनियंत्रित रहे तो कैंसर की आशंका बढ़ती है। नियमित दवा से वायरल लोड घटने पर रोग प्रतिरोधक क्षमता बेहतर होती है और दूसरी बीमारियों का खतरा घटता है।

वैसे एचआईवी की पुष्टि होने पर एआरटी सेंटर के काउंसलर मरीज और उसके परिजन के संपर्क में रहते हैं। मरीज को एक महीने का डोज का स्टॉक दिया जाता है। काउंसलर निगरानी करते हैं। मरीज दवा लेने न आए तो काउंसलर परिजन से जानकारी लेते हैं। जरूरत पड़ने पर घर पहुंचकर नियमित इलाज के लिए प्रेरित करते हैं। 7 जिलों में 95% मरीजों का वायरल लोड नियंत्रित करने में काउंसलरों की भूमिका रही है।

मरीजों का वायरल लोड टेस्ट हर 6 महीने में किया जाता है। जनवरी से मरीजों की निगरानी, दवा वितरण व्यवस्था कसी गई है। जिन जिलों में अपेक्षित सुधार नहीं हुआ, वहां ज्यादा जांच, जल्द पहचान और मरीजों को तुरंत एआरटी से जोड़ने पर जोर है। इलाज बीच में छोड़ने वाले मरीजों की अलग से निगरानी की जा रही है। (जैसा डॉ. सोनवानी ने भास्कर रिपोर्टर मोहम्मद निजाम को बताया)

सात जिलों में 95% मरीजों का वायरल लोड नियंत्रित मोहला-मानपुर-अंबागढ़ चौकी, बालोद, मुंगेली, सक्ती, सारंगढ़-बिलाईगढ़, सूरजपुर और धमतरी में 95% मरीजों का वायरल लोड नियंत्रित मिला है। मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर में भी स्थिति में उल्लेखनीय सुधार हुआ है। इसके अलावा बेमेतरा, दुर्ग, गरियाबंद, जांजगीर-चांपा, जशपुर, कबीरधाम, खैरागढ़-छुईखदान-गंडई, कोरबा, महासमुंद, रायगढ़, रायपुर और राजनांदगांव में नियमित दवा लेने वाले मरीजों की संख्या बढ़ी है।

वास्तु गुरुजी सिकंदर राणा जी के अनुसार आज का राशिफल

मो.नं. : 9770888888

मेष। आज आपका आत्मविश्वास मजबूत रहेगा और आप कठिन परिस्थितियों का भी साहस के साथ सामना कर सकेंगे। कार्यक्षेत्र में अचानक काम का दबाव बढ़ सकता है, इसलिए समय का सही प्रबंधन करना जरूरी होगा। किसी महत्वपूर्ण जिम्मेदारी को टालने के बजाय योजनाबद्ध तरीके से पूरा करें। आर्थिक मामलों में स्थिति सामान्य रहेगी, लेकिन अनावश्यक खर्चों पर नियंत्रण रखना आवश्यक है।

वृषभ। आज आर्थिक मामलों में संभलकर चलने की आवश्यकता है। किसी भी बड़े निवेश या लेन-देन से पहले सभी पहलुओं की अच्छी तरह जांच कर लें। जल्दबाजी में लिया गया आर्थिक निर्णय परेशानी का कारण बन सकता है। परिवार के साथ अच्छा समय बिताने का अवसर मिलेगा और घर का वातावरण सुखद रहेगा। पुराने मित्रों या परिचितों से सहयोग प्राप्त हो सकता है।

मिथुन। आज बौद्धिक और रचनात्मक कार्यों में सफलता मिलने की अच्छी संभावना है। आपकी समझदारी और निर्णय क्षमता कार्यक्षेत्र में लोगों को प्रभावित करेगी। व्यापार से जुड़े लोगों के लिए लाभ के योग बन रहे हैं और नई योजना पर काम आगे बढ़ सकता है। हालांकि किसी भी कागजी कार्रवाई को जल्दबाजी में पूरा न करें।

कर्क। आज चंद्रमा आपकी ही राशि में होने से मन में उत्साह और सकारात्मक ऊर्जा बनी रहेगी। आत्मविश्वास बढ़ेगा और आप अपने महत्वपूर्ण कार्यों को पूरा करने के लिए सक्रिय रहेंगे। कार्यक्षेत्र में नई जिम्मेदारियां मिल सकती हैं, जिन्हें आप कुशलता से संभालने का प्रयास करेंगे। हालांकि जल्दबाजी में कोई बड़ा निर्णय लेने से बचना चाहिए, विशेषकर आर्थिक और पारिवारिक मामलों में। स्वास्थ्य के प्रति सतर्क रहें और थकान को नजरअंदाज न करें।

सिंह। आज आपके सामने नए अवसर आ सकते हैं, लेकिन हर अवसर पर तुरंत निर्णय लेना जरूरी नहीं होगा। जल्दबाजी करने के बजाय परिस्थितियों को समझें और अपनी प्राथमिकताओं के अनुसार आगे बढ़ें। कार्यक्षेत्र में एक समय में एक ही महत्वपूर्ण काम पर ध्यान केंद्रित करना अधिक लाभदायक रहेगा। कई कामों को एक साथ संभालने की कोशिश से मानसिक दबाव बढ़ सकता है। आर्थिक मामलों में संतुलन बनाए रखें।

कन्या। आज बुध का आपकी राशि में गोचर आपके दैनिक कार्यों को व्यवस्थित करने और महत्वपूर्ण योजनाओं को सही दिशा देने में सहायक रहेगा। आपकी बुद्धिमत्ता और कार्यकुशलता कार्यक्षेत्र में विशेष रूप से प्रभावशाली रहेगी। नौकरीपेशा लोगों को वरिष्ठ अधिकारियों की प्रशंसा मिल सकती है और किसी महत्वपूर्ण जिम्मेदारी को सफलतापूर्वक पूरा करने का अवसर मिलेगा।

तुला। आज शुक्र के प्रभाव से आपके रिश्तों और संवाद में मधुरता आएगी। परिवार, मित्रों और जीवनसाथी के साथ संबंध बेहतर हो सकते हैं। किसी पुराने मतभेद को बातचीत के माध्यम से दूर करने का अच्छा अवसर मिलेगा। रचनात्मक कार्यों, कला, संगीत, लेखन और डिजाइन से जुड़े लोगों के लिए दिन विशेष रूप से लाभदायक रह सकता है।

वृश्चिक। आज लंबी दूरी की यात्रा या किसी बिल्कुल नए प्रोजेक्ट की शुरुआत को कुछ समय के लिए टालना बेहतर रहेगा। वर्तमान कार्यों को व्यवस्थित ढंग से पूरा करने पर ध्यान दें और किसी भी निर्णय में जल्दबाजी न करें। कार्यक्षेत्र में आपकी जिम्मेदारियां बढ़ सकती हैं, इसलिए धैर्य बनाए रखना आवश्यक होगा। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि अपनी वाणी पर संयम रखें। किसी बात को लेकर तीखी प्रतिक्रिया देने से रिश्तों और कार्यस्थल के वातावरण पर असर पड़ सकता है।

धनु। आज भाग्य का अच्छा साथ मिलने से लंबे समय से रुके हुए कार्यों में गति आ सकती है। कार्यक्षेत्र में आपकी मेहनत और प्रयासों का सकारात्मक परिणाम मिलेगा। आर्थिक स्थिति में सुधार के संकेत हैं और आय से जुड़े नए अवसर सामने आ सकते हैं। व्यापार से जुड़े लोगों को किसी महत्वपूर्ण संपर्क या योजना से लाभ हो सकता है। नौकरीपेशा जातकों को वरिष्ठ अधिकारियों और सहकर्मियों का सहयोग प्राप्त होगा। परिवार के साथ समय सुखद बीतेगा और किसी शुभ समाचार की प्राप्ति संभव है।

मकर। आज कार्यक्षेत्र में सहकर्मियों के साथ तालमेल बनाए रखना बहुत जरूरी रहेगा। टीमवर्क के माध्यम से कठिन कार्यों को भी आसानी से पूरा किया जा सकता है। किसी बात को लेकर मतभेद की स्थिति बने तो शांतिपूर्वक बातचीत करें। पारिवारिक जिम्मेदारियों को पूरा करने में सामान्य से अधिक समय लग सकता है, इसलिए कार्य और घर के बीच संतुलन बनाकर चलें। आर्थिक स्थिति सामान्य रहेगी, लेकिन अनावश्यक खर्चों से बचना उचित होगा। किसी पुराने कार्य को पूरा करने का अवसर मिल सकता है।

कुंभ। आज मानसिक शांति की तलाश आपको अध्यात्म और आत्मचिंतन की ओर आकर्षित कर सकती है। धार्मिक या आध्यात्मिक गतिविधियों में समय बिताने से मन को सकारात्मक ऊर्जा मिलेगी। कार्यक्षेत्र में स्थिति सामान्य रहेगी और अपनी जिम्मेदारियों को व्यवस्थित तरीके से पूरा करने पर अच्छे परिणाम मिलेंगे। परिवार के साथ समय बिताने से मानसिक प्रसन्नता मिलेगी। स्वास्थ्य सामान्य रहेगा, लेकिन खान-पान पर विशेष ध्यान देना जरूरी है। बाहर के अत्यधिक मसालेदार या असंतुलित भोजन से बचें।

मीन। आज व्यापार में साझेदारी से लाभ मिलने की संभावना है। साझेदारों और सहयोगियों के साथ बेहतर संवाद बनाए रखने से नई योजनाएं सफल हो सकती हैं। कार्यक्षेत्र में आपकी मेहनत और जिम्मेदारी निभाने की क्षमता की सराहना होगी। जीवनसाथी के साथ चले आ रहे वैचारिक मतभेद बातचीत और समझदारी से दूर हो सकते हैं। पारिवारिक वातावरण सुखद रहेगा और आपसी सहयोग बढ़ेगा। आर्थिक स्थिति सामान्य से बेहतर रह सकती है, लेकिन किसी भी बड़े निवेश से पहले पूरी जानकारी प्राप्त करें। स्वास्थ्य सामान्य रहेगा। मानसिक रूप से सकारात्मक बने रहें और दूसरों की बातों को धैर्यपूर्वक सुनें।

फसल बचाने के लिए लगाया करंट वाला तार

लातेहार में चपेट में आने से जंगली हाथी मरा, 5 दिन पहले फसल-घर को पहुंचाया था नुकसान

लातेहार। लातेहार के बालूमाथ थाना क्षेत्र के कोमर गांव के कुसी टोला में करंट वाले तार की चपेट में आने से एक जंगली हाथी की मौत हो गई। बताया जा रहा है कि हाथियों के झुंड से फसल और घर को बचाने के लिए ग्रामीण ने अपने घर के आसपास बिजली का तार लगाकर उसमें करंट छोड़ा था।

झूंड में पहुंचे हाथियों में से एक हाथी तार की चपेट में आ गया। इससे मौके पर ही उसकी मौत हो गई। घटना की जानकारी मिलने के बाद वन विभाग और बालूमाथ पुलिस की टीम मौके पर पहुंची। जांच शुरू की। वन विभाग के अधिकारियों ने घटनास्थल का जायजा लेकर ग्रामीणों से भी जानकारी ली।

जानकारी के अनुसार, कुसी टोला निवासी बिफा उरांव के घर के आसपास मक्का की फसल लगी हुई थी। करीब पांच दिन पहले जंगली हाथियों का झुंड मक्का खाने के लिए गांव में पहुंचा था। इस दौरान हाथियों ने खेत में लगी फसल को नुकसान पहुंचाया। इसके साथ ही झुंड ने बिफा उरांव के घर को भी क्षतिग्रस्त कर दिया था।

हाथियों के दोबारा आने की आशंका को देखते हुए फसल और घर की सुरक्षा के लिए बिफा उरांव ने घर के आसपास बिजली का तार लगाया था। इसमें करंट प्रवाहित किया गया था। रविवार को हाथियों का झुंड फिर उसी इलाके में पहुंचा। इसी दौरान एक हाथी करंट की चपेट में आ गया।

मेडिकल टीम पहुंची होगा पोस्टमार्टम

हाथी की मौत की सूचना मिलते ही वन विभाग की टीम के साथ बालूमाथ पुलिस भी मौके पर पहुंची। रेंजर नंदकुमार मेहता ने बताया कि हाथी की मौत किन परिस्थितियों में हुई, इसकी जांच की जा रही है। मेडिकल टीम को भी घटनास्थल पर बुलाया गया है। हाथी का पोस्टमार्टम कराया जाएगा।

पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत की वजह की आधिकारिक पुष्टि हो सकेगी। वन विभाग की टीम घटनास्थल से जुड़े सभी पहलुओं की जांच कर रही है। अधिकारियों की ओर से यह भी देखा जा रहा है कि घर के आसपास लगाए गए तार में किस तरह करंट प्रवाहित किया गया था। हाथी उसकी चपेट में कैसे आया।

बालूमाथ में पहले भी हो चुकी है हाथियों की मौत

बालूमाथ क्षेत्र में हाथियों की मौत का यह पहला मामला नहीं है। अक्टूबर 2025 में भी एक छोटे हाथी का शव धान के खेत में मिला था। उस मामले में पोस्टमार्टम के बाद मौत के कारणों की जांच की गई थी। इससे पहले जुलाई 2022 में बालूमाथ के रेंची जंगल में भी एक हाथी मृत मिला था।

जानकारी के अनुसार, यह हाथी करीब एक महीने पहले झुंड से अलग होकर रेंची जंगल में आया था। उस मामले में मृत हाथी के दोनों दांत गायब मिले थे। अब कुसी टोला में करंट की चपेट में हाथी की मौत के बाद वन विभाग पूरे मामले की जांच में जुटा है।

आंखों से नहीं देखा हिमालय, हौसले से चढ़ गए शिखरः झारखंड के शेखर 20,472 फीट, धीरोज 16,732 फीट तक पहुंचे, दोनों अच्छे फुटबॉलर

जमशेदपुर। पश्चिमी सिंहभूम के दो दृष्टिबाधित युवाओं ने अपनी मजबूत इच्छाशक्ति और हौसले से ऐसी मिसाल पेश की है, जो दूसरों के लिए प्रेरणा बन गई है। जिले के 24 वर्षीय शेखर गोप ने लद्दाख की 20,472 फीट ऊंची जो-जोंगो चोटी पर पहुंचकर तिरंगा फहराया।

वहीं, 23 वर्षीय धीरोज कुमार स्वास्थ्य संबंधी परेशानी के बावजूद 16,732 फीट की ऊंचाई तक पहुंचे। दोनों ने 25 से 31 अगस्त 2026 के बीच लद्दाख की मारखा घाटी में आयोजित अभियान में हिस्सा लिया।

जन्म से दृष्टिबाधित होने के कारण दोनों के शुरुआती जीवन में रोजमर्रा के काम और स्वतंत्र रूप से आने-जाने जैसी चुनौतियां थीं। सीमित संसाधनों के बीच उन्होंने आगे बढ़ने का रास्ता तलाशा।

वर्ष 2022 में टाटा स्टील फाउंडेशन की दिव्यांग समावेशन पहल 'सबल' से जुड़ने के बाद उनके जीवन में बड़ा बदलाव आया।

यहां उन्हें ब्रेल, डिजिटल तकनीक, दैनिक कार्यों और स्वतंत्र आवागमन का प्रशिक्षण मिला। धीरे-धीरे दोनों आत्मनिर्भर बने और बाद में मोबिलिटी ट्रेनर के रूप में दूसरे दृष्टिबाधित लोगों को भी प्रशिक्षण देने लगे।

शेखर और धीरोज के लिए यह पर्वतारोहण केवल ऊंचाई नापने का अभियान नहीं था, बल्कि वर्षों में हासिल आत्मविश्वास की परीक्षा भी थी। दोनों ने खेल के मैदान में भी अपनी पहचान बनाई है। शेखर गोप झारखंड की दृष्टिबाधित फुटबॉल टीम के कप्तान हैं, जबकि धीरोज दृष्टिबाधित फुटबॉल खिलाड़ी के तौर पर राज्य का प्रतिनिधित्व कर चुके हैं।

खेल ने दोनों को अनुशासन, टीम भावना और मुश्किल परिस्थितियों में धैर्य बनाए रखने की सीख दी। इसी मानसिक मजबूती ने उन्हें पर्वतारोहण की चुनौती स्वीकार करने का हौसला दिया। अभियान से पहले दलमा की पहाड़ियों में दोनों ने कड़ा प्रशिक्षण लिया। इस दौरान उनकी शारीरिक क्षमता, सहनशक्ति और मानसिक मजबूती पर काम किया गया।

झारखंड में 9 को भारी बारिश के आसारः 12 सितंबर तक रांची में भी बरसेंगे बादल, 30-40 km/h की रफ्तार से चलेंगी हवाएं

रांची। झारखंड में अगले तीन से चार दिनों तक मानसून सक्रिय रहेगा। मौसम विभाग के अनुसार आज राज्य के कुछ हिस्सों में हल्की से मध्यम बारिश और मेघगर्जन होगा। 8 सितंबर को बारिश का दायरा बढ़ेगा और कई जगह 30 से 40 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चल सकती हैं। 9 सितंबर को राज्य के लगभग सभी हिस्सों में बारिश के आसार हैं।

पलामू, गढ़वा, चतरा, लातेहार, लोहरदगा, गुमला और हजारीबाग में कहीं-कहीं भारी बारिश हो सकती है। इस दौरान वज्रपात और तेज हवा को लेकर यलो अलर्ट जारी किया गया है। 10 से 12 सितंबर तक भी कई इलाकों में हल्की से मध्यम बारिश जारी रहने का अनुमान है।

मौसम विभाग के अनुसार 8 सितंबर को राज्य के अनेक हिस्सों में बारिश के साथ 30-40 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से हवा चल सकती है। 9 सितंबर को गढ़वा, पलामू, लातेहार, लोहरदगा, हजारीबाग और गुमला में गरज, वज्रपात और तेज हवा की आशंका है। उत्तर-पूर्वी झारखंड के कुछ हिस्सों में भारी बारिश हो सकती है।

11 और 12 सितंबर को कुछ स्थानों पर मध्यम बारिश होगी। राजधानी रांची में अगले तीन-चार दिनों तक मौसम में विशेष बदलाव नहीं होगा, लेकिन कहीं-कहीं हल्की बारिश होती रहेगी। 12 सितंबर तक रांची में रोजाना दो-तीन बार हल्की से मध्यम बारिश होने का अनुमान है। बारिश के कारण तापमान में 2 से 3 डिग्री तक गिरावट आ सकती है।

भारत मौसम विज्ञान विभाग के अनुसार दक्षिण-पश्चिम उत्तर प्रदेश और आसपास के क्षेत्र में बना निम्न दबाव क्षेत्र सक्रिय है। इससे जुड़ा साइक्लोनिक सर्कुलेशन समुद्र तल से करीब 5.8 किलोमीटर की ऊंचाई तक फैला है।

धनबाद में आर्यन केल्विन के फैंस मीट में हंगामाः पुलिस ने बंद कराया कार्यक्रम; स्टंट करने वाला युवक पकड़ाया

धनबाद। धनबाद के गोल्फ ग्राउंड में आर्यन केल्विन के फैंस मीट कार्यक्रम में जमकर हंगामा हुआ। आर्यन के मैदान में पहुंचते ही उनसे मिलने के लिए प्रशंसकों में धक्का-मुक्की शुरू हो गई। देखते ही देखते सुरक्षा के लिए लगाए गए लोहे के बैरियर टूट गए। कई प्रशंसक पर्दे फाड़ते हुए स्टेज पर चढ़ गए।

इस दौरान बाउंसरों के साथ भी धक्का-मुक्की हुई। भीड़ को नियंत्रित करने में पुलिस को काफी मशक्कत करनी पड़ी। कार्यक्रम में झारखंड के अलावा दूसरे राज्यों से भी बड़ी संख्या में प्रशंसक पहुंचे थे। भीड़ बढ़ने के कारण सुरक्षा व्यवस्था पर दबाव बढ़ गया और आखिरकार पुलिस ने कार्यक्रम बंद करा दिया।

कार्यक्रम को लेकर सुरक्षा के लिए बाउंसरों के अलावा पुलिस की गश्त टीम भी तैनात की गई थी। कार्यक्रम शुरू होने से पहले धनबाद थाना प्रभारी मनोज पांडेय भी गोल्फ ग्राउंड पहुंचे थे। उन्होंने झारखंड के मंत्री दिव्य कुमार सोनू के निधन के कारण घोषित दो दिवसीय राजकीय शोक को देखते हुए डीजे नहीं बजाने का निर्देश आयोजकों को दिया। हालांकि, माइक के इस्तेमाल की अनुमति दी गई थी। आयोजकों ने पुलिस के निर्देश को मानते हुए डीजे नहीं बजाया। थाना प्रभारी ने बताया कि वे एसडीओ के निर्देश पर कार्यक्रम स्थल पहुंचे थे। राजकीय शोक के दौरान डीजे नहीं बजाने का आदेश दिया गया था। इसके बाद कार्यक्रम के दौरान स्थिति बिगड़ने पर पुलिस ने आयोजन बंद करा दिया।

पेट्रोल पंप में 49 प्रतिशत हिस्सेदारी देने का झांसाः डॉक्टर दंपती से 2.08 करोड़ रुपए की ठगी, एफआईआर दर्ज

रांची। पुंदाग में पेट्रोल पंप में पार्टनरशिप दिलाने का झांसा देकर रिटायर्ड डॉक्टर दंपती से 2.08 करोड़ रुपए ठगने का एक मामला सामने आया है। सीसीएल से ?सेवानिवृत्त चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. ब्रह्मदेव चौधरी ने पुंदाग थाने में पिंकू कुमार चौधरी के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई है।

एफआईआर में उन्होंने कहा है कि वे पिंकू कुमार चौधरी से वर्षों से परिचित थे। 20 मार्च 2022 को आरोपी उनके पुंदाग स्थित आवास पर आया और बताया कि उसके नाम पर हिंदुस्तान पेट्रोलियम की ओर से चौपारण में पेट्रोल पंप की डीलरशिप स्वीकृत हुई है।

डिमांड ड्राफ्ट में 2.70 लाख को बना दिया 72.70 लाख

शिकायतकर्ता के अनुसार, 4 अप्रैल 2024 से आरोपी ने लाभांश देना बंद कर दिया। रकम वापस मांगने पर वह टालमटोल करने लगा। इसके बाद डॉ. चौधरी ने एचपीसीएल के क्षेत्रीय कार्यालय से जानकारी ली। जहां उन्हें या उनकी पत्नी को एचपीसीएल के रिकॉर्ड में पार्टनर बनाने की कोई प्रक्रिया नहीं होने की जानकारी मिली। आरोपी ने एचपीसीएल से संबंधित दस्तावेज में हेरफेर कर 2.70 लाख रुपये की डिमांड ड्राफ्ट राशि को 72.70 लाख रुपये के रूप में दिखाया।

सोडूको प्रश्न (उत्तर अगले अंक में प्रकाशित होगा)

		2	4		5	8		
	4	1	8				2	
6				7			3	9
2				3			9	6
		9	6		7	1		
1	7			5				3
9	6			8				1
	2				9	5	6	
		8	3		6	9		

पिछले अंक का उत्तर

1	9	4	8	3	5	7	6	2
7	3	2	4	1	6	9	8	5
8	5	6	9	7	2	3	1	4
6	2	5	7	4	3	8	9	1
3	8	1	5	2	9	6	4	7
4	7	9	6	8	1	5	2	3
5	1	7	2	6	8	4	3	9
9	6	3	1	5	4	2	7	8
2	4	8	3	9	7	1	5	6

चौखट पर हमारी
तुम्हारी
आने की आहट के
इशारे पास आए हैं।
मुश्किलों के बाद
आये सही वो
मंज़र और नज़ारे पास
आए हैं।।
ख़्यालों से नहीं जाते
निकाले चर्चे समायत
के,
कि गिरते संभलते हम
खुद ही खुद में हारे पास
आए हैं।।

गिरिडीह में युवक ने मछली पालन से बदली तकदीर

गिरिडीह। गिरिडीह के बेंगाबाद के युवा उद्यमी सुमन कुमार ने इजराइल से फिशरीज और एग्रीकल्चर की पढ़ाई की है। गांव लौटने के बाद उन्होंने आधुनिक तकनीक और वैज्ञानिक प्रबंधन से मत्स्य पालन को सफल बनाया है। सुमन ने आठ तालाबों से मछली पालन शुरू किया था, जो अब बढ़कर 32 तालाब हो गए हैं। वर्तमान में उनके यहां सालाना करीब 100 से 150 टन मछली का उत्पादन हो रहा है। सुमन ने 2019 से इसकी शुरुआत की और पहले ही साल करीब 45 से 50 टन मछली का उत्पादन मिला। कई प्रजातियों की मछलियां पाली जा रही। इसके बाद उन्होंने इजराइल में सीखी आधुनिक तकनीक को अपने काम में लागू किया। तालाबों का वैज्ञानिक प्रबंधन, अच्छी क्वालिटी के मछली बीज और संतुलित आहार के इस्तेमाल से उत्पादन लगातार बढ़ा। अभी उनके तालाबों में मुख्य रूप से रेहू, कतला और दूसरी प्रजातियों की मछलियां पाली जा रही हैं। सुमन के यहां तैयार होने वाली मछलियां गिरिडीह के अलावा झारखंड के कई जिलों और बिहार की मंडियों तक भेजी जाती हैं।

भारत 20 साल बाद AFC U20 एशियन कप में पहुंचा: बांग्लादेश को 3-0 से हराया, सीरिया की हार से मिली टूर्नामेंट में जगह

भारतीय अंडर-20 फुटबॉल टीम ने 20 साल के लंबे इंतजार के बाद स्नष्ट -20 एशियन कप के मेन टूर्नामेंट में जगह बना ली है। भारत ने रविवार को ताशकंद में खेले गए ग्रुप-क्र के आखिरी क्वालिफायर में बांग्लादेश को 3-0 से हराया।

इसके बाद उज्बेकिस्तान ने सीरिया को भी 3-0 से मात दी, जिससे भारत 6 पॉइंट्स के साथ ग्रुप में दूसरे स्थान पर रहते हुए क्वालिफाई कर गया। भारत ने आखिरी बार 2006 में इस टूर्नामेंट के मेन स्टेज में हिस्सा लिया था।

भारत ने 3 मैच में 2 जीत हासिल कीं

भारत ने क्वालिफाइंग राउंड में तीन मुकाबले खेले। टीम ने पहला मैच सीरिया के खिलाफ 1-0 से जीता था। इसके बाद उज्बेकिस्तान के खिलाफ उसे 0-4 से हार मिली।

बांग्लादेश के खिलाफ आखिरी मैच भारत के लिए करो या मरो जैसा था। जीत के साथ टीम के खाते में 6 अंक पहुंचे, लेकिन ग्रुप से क्वालिफिकेशन तभी पक्का होना था जब सीरिया, उज्बेकिस्तान के खिलाफ जीत दर्ज न करे।

भारत की जीत के बाद सभी की नजर सीरिया और उज्बेकिस्तान के मुकाबले पर थी। उज्बेकिस्तान ने सीरिया को 3-0 से हरा दिया।

इस नतीजे के बाद उज्बेकिस्तान 9 अंक के साथ ग्रुप-क्र में पहले स्थान पर रहा। भारत 6 अंक के साथ दूसरे, सीरिया 3 अंक के साथ तीसरे और बांग्लादेश बिना अंक के चौथे स्थान पर रहा।

भारत ने सात सर्वश्रेष्ठ उपविजेता टीमों में जगह बनाकर मुख्य टूर्नामेंट में प्रवेश किया। बांग्लादेश अपने तीनों मैच हारने के बाद डेवलपमेंट फेज में चला गया।

डेनी ने बढ़त दिलाई, विशाल ने एक्रोबेटिक गोल किया

बांग्लादेश के खिलाफ भारत ने शुरुआती मिनटों में धीरे-धीरे दबाव बनाना शुरू किया। 25वें मिनट में डेनी मैतेई लैशराम ने भारत को बढ़त दिलाई।

भारत के हमले के दौरान डेनी ने बांग्लादेश के डिफेंडर पर दबाव बनाया, जिससे गेंद भारतीय खिलाड़ियों के कब्जे में आई। इसके बाद बॉक्स के अंदर मिले मौके को डेनी ने गोल में बदलकर टीम को 1-0 से आगे कर दिया।

34वें मिनट में डेनी के फ्री-किक से भारत को दूसरा गोल करने का मौका मिला, लेकिन बांग्लादेश के गोलकीपर राज चौधरी ने गेंद को रोक लिया।

60वें मिनट में विशाल का शानदार फिनिश

दूसरे हाफ में भारत ने दबाव बनाए रखा। 60वें मिनट में टीम को दूसरा गोल मिला। लंबे थ्रो के बाद गेंद रिषिकांत के जरिए विशाल यादव तक पहुंची। विशाल ने एक्रोबेटिक फिनिश करते हुए गेंद को गोल में पहुंचा दिया।

2-0 से पिछड़ने के बाद बांग्लादेश ने आक्रामक होकर वापसी की कोशिश की, लेकिन भारतीय डिफेंस ने उसे ज्यादा मौके नहीं दिए।

स्थानापन्न अरबाश ने 79वें मिनट में स्कोर 3-0 किया

भारत के मुख्य कोच महेश गवली ने 72वें मिनट में डेनी और विशाल को हटाकर मोहम्मद अरबाश और प्रशान जाजो को मैदान पर उतारा।

सात मिनट बाद ही यह बदलाव काम कर गया। याइफारेम्बा चिंगाकहम ने मूव की शुरुआत की और भारतीय खिलाड़ियों ने लगातार पास के जरिए बांग्लादेश की डिफेंस को खोला। अरबाश ने बाएं पैर से ताकतवर शॉट लगाकर गेंद को गोल के ऊपरी हिस्से में पहुंचा दिया।

इस गोल के साथ भारत ने 3-0 की बढ़त बना ली और बाकी समय आसानी से निकालते हुए मुकाबला अपने नाम किया।

बिजनेस न्यूज

सेंसेक्स 350 अंक गिरकर 76,150 पर: निफ्टी भी 100 अंक गिरा, ये 23,800 के स्तर पर कारोबार कर रहा

मुंबई। शेयर बाजार में आज सोमवार, 7 सितंबर को गिरावट है। सेंसेक्स 350 अंक गिरकर 76,150 पर कारोबार कर रहा है। निफ्टी में 100 अंक की गिरावट है, ये 23,800 के स्तर पर आ गया है।

नेशनल स्टॉक एक्सचेंज ने आज से शेयर बाजार खुलने से पहले के 'प्री-ओपन सेशन' के नियमों में बदलाव कर दिया है।

नया नियम लागू हो चुका है और इसका मकसद ऑर्डर मैचिंग की प्रक्रिया को ज्यादा पारदर्शी और बेहतर बनाना है।

शेयर बाजार खुलने से पहले का कुल प्री-ओपन समय 15 मिनट- सुबह 9:00 बजे से 9:15 बजे तक ही रहेगा।

ऑर्डर सबमिट करने की टाइमिंग बदली

सुबह 9:00 से 9:05 बजे तक: ट्रेडर्स मार्केट ऑर्डर और लिमिट ऑर्डर दोनों दर्ज करा सकेंगे।

मार्केट ऑर्डर डालने के लिए अब ट्रेडर्स के पास केवल शुरुआती 5 मिनट का ही समय होगा।

एल्गो मार्केट ऑर्डर्स भी सुबह 9:00 से 9:05 बजे के बीच ही लगाए जा सकेंगे।

सुबह 9:05 से 9:10 बजे तक: सिर्फ और सिर्फ लिमिट ऑर्डर ही स्वीकार किए जाएंगे।

ऑर्डर कलेक्शन की विंडो सुबह 9:08 बजे से 9:10 बजे के बीच कभी भी रैंडम तरीके से बंद हो जाएगी।

आज सोना 2409 और चांदी 3967 सस्ती: 10 ग्राम सोना 1.52 लाख पर आया, एक किलो चांदी 2.35 लाख की बिक रही

नई दिल्ली। सोने-चांदी के दाम में आज यानी 7 सितंबर को गिरावट है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन के मुताबिक, 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 2,409 रुपए घटकर 1.52 लाख रुपए पर आ गई है।

वहीं एक किलो चांदी की कीमत आज 3,967 रुपए घटकर 2.31 लाख रुपए पर आ गई। बीते हफ्ते के आखिरी कारोबारी दिन यानी शुक्रवार को सोने की कीमत 1.55 और चांदी के दाम 2.35 लाख रुपए थे।

अलग-अलग शहरों में सोने के दाम अलग होने की 4 वजहें

ट्रांसपोर्टेशन और सिक्योरिटी: एक शहर से दूसरे शहर सोना ले जाने में ईंधन और सुरक्षा खर्च जुड़ता है, जिससे दूरी बढ़ने पर दाम बढ़ते हैं।

खरीदारी की मात्रा: दक्षिण भारत में ज्यादा खपत (करीब 40%) के कारण ज्वेलर्स बड़ी खरीद करते हैं, लेकिन छूट का फायदा सीमित रहता है।

लोकल ज्वेलरी एसोसिएशन: राज्य और शहर के ज्वेलरी एसोसिएशन स्थानीय मांग-सप्लाई के आधार पर रेट तय करते हैं।

पुराना स्टॉक और खरीद मूल्य: ज्वेलर्स का खरीदी रेट तय करता है कि वे ग्राहकों को कितनी कीमत में बेचेंगे।

इस साल सोना 19 हजार महंगा हो चुका

इस साल सोने-चांदी की कीमत में लगातार उतार-चढ़ाव देखने को मिल रहा है। सोना 2026 में अब तक 19 हजार रुपए महंगा हो चुका है। 31 दिसंबर 2025 को 10द्द सोना 1.33 लाख रुपए पर था, जो अब 1.52 लाख रुपए पर पहुंच गया है।

श्रीलंकाई विमेंस टीम एशिया कप के सेमीफाइनल में:बांग्लादेश को 4 विकेट से हराया; हर्षिता समरविक्रमा ने नाबाद 48 रन बनाए

दुबई में रविवार को विमेंस एशिया कप 2026 के ग्रुप-क्र मुकाबले में श्रीलंका ने बांग्लादेश को 4 विकेट से हराकर सेमीफाइनल में जगह बना ली। बांग्लादेश ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 8 विकेट पर 114 रन बनाए थे।

जवाब में श्रीलंका ने 19.2 ओवर में 6 विकेट पर 115 रन बनाकर मैच जीत लिया। हरशिता समरविक्रमा ने दबाव के बीच 37 गेंदों पर नाबाद 48 रन की पारी खेलकर टीम को जीत दिलाई।

ीलंका ग्रुप-क्र के अपने सभी मुकाबले जीतकर पॉइंट्स टेबल में टॉप पर है और अब सेमीफाइनल में ग्रुप- में दूसरे स्थान पर रहने वाली टीम से शुक्रवार को भिड़ेंगी। टीम टूर्नामेंट की डिफेंडिंग चैंपियन भी है।

115 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए श्रीलंका की शुरुआत खराब रही। कप्तान चमारी अटापट्टू सिर्फ 1 रन बनाकर मारुफा अख्तर की गेंद पर आउट हो गईं। मारुफा ने इसके बाद इमेशा दुलानी को भी पवेलियन भेज दिया।

इसके बाद सुल्ताना खातून और रितु मोनी ने भी विकेट निकाले। कवीशा दिलहारी रन आउट हो गईं और श्रीलंका 10वें ओवर तक 44 रन पर 5 विकेट गंवा चुका था। यहां बांग्लादेश जीत की स्थिति में दिखाई दे रहा था।

समरविक्रमा ने इसके बाद निलाक्षिका सिल्वा के साथ मिलकर पारी संभाली। दोनों ने छठे विकेट के लिए 38 रन जोड़े। सिल्वा 18 रन बनाकर 17वें ओवर में मारुफा की गेंद पर बोल्ड हुईं, लेकिन समरविक्रमा ने हार नहीं मानी।

17 ओवर के बाद श्रीलंका का स्कोर 86/6 था और उसे जीत के लिए 29 रन चाहिए थे। समरविक्रमा उस समय 30 गेंदों पर 28 रन बनाकर खेल रही थीं।

इसके बाद उन्होंने रितु मोनी के ओवर में लगातार आक्रामक शॉट खेले। चौका और छक्का लगाकर उन्होंने जरूरी रन रेट का दबाव कम किया। 19वें ओवर में भी समरविक्रमा ने छक्का लगाया और मैच श्रीलंका के पक्ष में कर दिया।

श्रीलंका को आखिरी ओवर से पहले जीत के लिए 8 रन चाहिए थे। समरविक्रमा ने नाहिदा अख्तर की गेंद पर लॉन्ग-ऑन के ऊपर से छक्का लगाकर टीम की जीत लगभग तय कर दी। श्रीलंका ने 19.2 ओवर में लक्ष्य हासिल कर लिया।

ईशान किशन दोहरा शतक लगाकर नाबाद: दलीप ट्रॉफी फाइनल में ईस्ट जोन का स्कोर 550 पार; कुमार कुशाग्र का शतक

दलीप ट्रॉफी फाइनल में ईस्ट जोन के कप्तान ईशान किशन ने दोहरा शतक लगाकर टीम को मजबूत स्थिति में पहुंचा दिया है। चेन्नई में साउथ जोन के खिलाफ खेले जा रहे मुकाबले में ईस्ट जोन ने 5 विकेट पर 550 से ज्यादा रन बना लिए हैं। ईशान 200 से ज्यादा रन बनाकर नाबाद हैं।

ईशान ने 270 गेंदों में दोहरा शतक ठोका। इस दौरान उन्होंने 26 चौके और 2 छक्के लगाए। ईशान ने 10 सालों के बाद फर्स्ट क्लास क्रिकेट में ये कमाल किया है।

इससे पहले उन्होंने साल 2016 में पहला दोहरा शतक लगाया था। ये उनके फर्स्ट क्लास करियर का पहला शतक भी था। इस खिलाड़ी ने दिल्ली के खिलाफ 273 रनों की पारी खेली थी। ईशान किशन अबतक फर्स्ट क्लास क्रिकेट में 10 शतक लगा चुके हैं।

चीन में स्पर्धा: पहले 2 मैच में भारत ने साउथ कोरिया और मलेशिया को हराया

रायपुर/बिलासपुर। जूनियर महिला एशिया कप टूर्नामेंट चीन के मोकी में 4 से 13 सितंबर तक होगी। इसमें पहले दो मैचों में भारतीय टीम ने शानदार प्रदर्शन कर जीत दर्ज की है। इस जीत में छत्तीसगढ़ की दो बेटियां मधु सिदार व गीता यादव ने कमाल करते हुए कुल तीन गोल दागे हैं। ऐसा पहली बार है कि जूनियर टीम में प्रदेश के दो खिलाड़ियों को खेलने का मौका मिला।

दोनों ही खिलाड़ियों ने बहतराई स्थित एक्सीलेंस सेंटर में रहकर हॉकी बारीकियां सीखीं और आज भारत का प्रतिनिधत्व कर रही हैं। इस टूर्नामेंट में भारत के अलावा दक्षिण कोरिया, मलेशिया, चीन, जापान की टीमें हिस्सा ले रहीं हैं। शनिवार को भारत ने साउथ कोरिया को 4-1 और रविवार को मलेशिया को 11-1 से रौंदा। गीता ने दो गोल किया।

आर्थिक स्थिति कमजोर, मजबूत इरादों से दोनों ने पाया मुकाम कबीरधाम जिले के ग्राम बोड़ला की रहले वाली गीता यादव के पिता किसान हैं। हॉकी के कोच शिव सिंह चौहान ने गीता को स्कूल में खेलते हुए देखा तो उसे हॉकी की बारीकियां सीखाना शुरू किया। उसका चयन बहतराई स्थित एक्सीलेंस सेंटर में हो गया। गीता ने 2022 से 2024 तक प्रशिक्षण हासिल किया और राष्ट्रीय स्पर्धाओं में उनके प्रदर्शन को देखते हुए टीम इंडिया के कैंप में जगह मिली। शेष7पेज 4

फॉरवर्ड प्लेयर मधु सिदार करीब दो महीने पहले इंडिया कैंप में शामिल रहीं। इस दौरान टीम में शामिल होंगी या नहीं यह तय नहीं था। यही वजह है कि मधु ने अपना पासपोर्ट तैयार नहीं कराया था। कम उम्र होने के कारण उन्हें अपने साथ माता-पिता का भी पासपोर्ट तैयार कराना था।

उनके अभिभावक कम पढ़े लिखे हैं, जिनके कारण इसकी प्रक्रिया में उन्हें परेशानी का सामना करना पड़ा। इस दौरान डिप्टी सीएम अरुण साव ने प्रयास कर एक हफ्ते में पासपोर्ट तैयार कराया।

कार्लोस अल्काराज US ओपन के क्वार्टर फाइनल में पहुंचे: टॉमी पॉल को हराया, अब बेन शेल्टन से भिड़ेंगे; सबालेंका भी अगले राउंड में

डिफेंडिंग चैंपियन कार्लोस अल्काराज ने न्यूयॉर्क में खेले जा रहे स ओपन 2026 के क्वार्टर फाइनल में जगह बना ली है। वहीं, आर्यना सबालेंका भी अगले राउंड में पहुंच गई है।

मेंस सिंगल्स में अल्काराज ने अमेरिका के टॉमी पॉल को 6-4, 6-3, 6-4 से हराया। इस जीत के साथ उनकी ग्रैंड स्लैम में लगातार 18 मैच जीतने की लय बरकरार रही। टूर्नामेंट में अब तक उन्होंने सिर्फ एक सेट गंवाया है।

अल्काराज दाहिनी कलाई की चोट के कारण करीब चार महीने कोर्ट से दूर रहने के बाद लौटे है।अब क्वार्टर फाइनल में अल्काराज का सामना अमेरिका के 8वीं सीड बेन शेल्टन से होगा। शेल्टन ने स्टेफानोस सिटसिपास को 6-2, 6-3, 6-4 से हराकर अंतिम-8 में जगह बनाई।

विमेंस सिंगल्स में सबालेंका ने अमेरिका की टेलर टाउनसेंड को 6-4, 6-3 से मात दी। सबालेंका ने पहला सेट 6-4 से जीता। दूसरे सेट में 1-3 से पिछड़ने के बाद उन्होंने लगातार पांच गेम जीते और मैच अपने नाम किया।

इस जीत के साथ सबालेंका लगातार छठी बार स ओपन के क्वार्टर फाइनल में पहुंची हैं। अब उनका सामना छठी सीड और मौजूदा विंबलडन चैंपियन लिंडा नोस्कोवा से होगा। नोस्कोवा ने मार्ता कोस्ट्युक को 7-5, 5-7, 6-4 से हराया।

5 अमेरिकी मेंस प्लेयर अंतिम-16 में पहुंचे

ओपन के मेंस सिंगल्स में पांच अमेरिकी खिलाड़ी अंतिम-16 में पहुंचे थे। इनमें टॉमी पॉल, बेन शेल्टन, लर्नर टिएन, फ्रांसिस टियाफो और एलेक्स माइकलसन शामिल थे। यह 1995 के बाद किसी ग्रैंड स्लैम के अंतिम-16 में पहुंचने वाले अमेरिकी मेंस प्लेयर्स की सबसे बड़ी संख्या थी।

इनमें से टियाफो, माइकलसन और शेल्टन ने क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई। टियाफो ने पूर्व चैंपियन डेनियल मेदवेदेव को 7-6, 6-4, 7-6 से हराया, जबकि माइकलसन ने टॉमस मार्टिन एचेवेरी को 7-6, 6-4, 6-4 से मात दी। अब टियाफो और माइकलसन क्वार्टर फाइनल में आमने-सामने होंगे, जिससे सेमीफाइनल में एक अमेरिकी खिलाड़ी का पहुंचना तय है।

वहीं, बेन शेल्टन ने स्टेफानोस सिटसिपास को 6-2, 6-3, 6-4 से हराकर अंतिम-8 में जगह बनाई। अब उनका सामना डिफेंडिंग चैंपियन अल्काराज से होगा।

जो खेलेगा, वही खिलेगा... खेल प्रतिभाओं को तराशने और आगे बढ़ाने प्रतिबद्ध है सरकार : अरुण साव

प्रदेशभर 845 खिलाड़ियों और 150 से अधिक ऑफिशियल्स ने की भागीदारी

रायपुर। उप मुख्यमंत्री तथा खेल एवं युवा कल्याण मंत्री अरुण साव ने कहा कि छत्तीसगढ़ में खेल प्रतिभाओं की कोई कमी नहीं है। जरूरत इन प्रतिभाओं को पहचानने, तराशने और उन्हें आगे बढ़ने के बेहतर अवसर प्रदान करने की है। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार खेल और खिलाड़ियों के सर्वांगीण विकास के लिए निरंतर कार्य कर रही है। उप मुख्यमंत्री श्री साव ने आज बिलासपुर में 26वीं राज्य स्तरीय शालेय क्रीड़ा प्रतियोगिता के समापन समारोह को मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित करते हुए ये बातें कहीं।

उप मुख्यमंत्री साव ने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि खेल के मैदान में संघर्ष करने और पसीना बहाने वाले खिलाड़ी ही सफलता की नई ऊंचाइयों को छूते हैं। जो खेलेगा, वही खिलेगा। आज देश के प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी खेल और खिलाड़ियों के विकास को विशेष प्राथमिकता दे रहे हैं। खेलो इंडिया के माध्यम से खेल प्रतिभाओं को आगे बढ़ने के बेहतर अवसर मिल रहे हैं। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ सरकार भी खेल और खिलाड़ियों की बेहतरी के लिए लगातार कार्य कर रही है। राज्य में बस्तर एवं सरगुजा ओलंपिक का आयोजन किया गया है। छत्तीसगढ़ को खेलो इंडिया नेशनल ट्राइबल गेम्स की मेजबानी का अवसर भी मिला है। राज्य सरकार ने बंद हो चुके खेल अलंकरण को पुन: प्रारंभ करने के साथ ही उत्कृष्ट खिलाड़ियों को प्रोत्साहित करने की दिशा में भी महत्वपूर्ण पहल की है।

साव ने बताया कि हाल ही में 29 अगस्त को राज्य सरकार द्वारा खिलाड़ियों को प्रोत्साहन स्वरूप एक करोड़ 74 लाख रुपए की राशि प्रदान की गई है। अक्टूबर के अंतिम सप्ताह में छत्तीसगढ़ हॉकी लीग का आयोजन किया जाएगा।

मुख्यमंत्री खेल उत्कर्ष योजना के अंतर्गत इस वर्ष के बजट में 100 करोड़ रुपए का प्रावधान किया गया है। इसके माध्यम से खेलों के विकास के साथ ही स्पोर्ट्स साइंस और खेल अधोसंरचना को भी मजबूत किया जाएगा।

3800 अंकों के साथ बिलासपुर बना ओवरऑल चैंपियन

26वीं राज्य स्तरीय शालेय क्रीड़ा प्रतियोगिता में प्रदेश के पांचों संभागों के 845 खिलाड़ियों एवं 150 से अधिक ऑफिशियल्स ने भाग लिया। चार दिवसीय प्रतियोगिता में बेसबॉल, तैराकी और वाटर पोलो की स्पर्धाएं आयोजित की गईं। बिलासपुर संभाग ने सभी प्रतियोगिताओं में शानदार प्रदर्शन करते हुए 3800 अंकों के साथ ओवरऑल चौंपियन का खिताब अपने नाम किया।

प्रतियोगिता का आयोजन बिलासपुर के संजय तरण पुष्कर एवं छत्तीसगढ़ स्कूल खेल मैदान में किया गया। समापन समारोह में उप मुख्यमंत्री श्री अरुण साव और अन्य अतिथियों ने विजेता खिलाड़ियों को पुरस्कार वितरित कर सम्मानित किया।

शिक्षा के साथ खेल भी जरूरी : विधायक श्री अमर अग्रवाल

बिलासपुर विधायक श्री अमर अग्रवाल ने कहा कि जीवन बहुआयामी है। शिक्षा के साथ-साथ शारीरिक और मानसिक रूप से मजबूत रहना भी आवश्यक है, जिसमें खेलों की महत्वपूर्ण भूमिका है। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश में खेलों के विकास के लिए बनाई गई नीतियों का परिणाम है कि आज भारतीय खिलाड़ी विभिन्न अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में सरकार ने खेलों के लिए आधारभूत अधोसंरचना विकसित करने का कार्य किया है।

बिल्हा विधायक श्री धरमलाल कौशिक ने कहा कि खेल के माध्यम से छत्तीसगढ़ को नई पहचान दिलाने के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में प्रतिस्पर्धा है और खेल के मैदान में होने वाली प्रतिस्पर्धा खिलाड़ियों के भविष्य को उज्ज्वल बनाती है। उन्होंने खिलाड़ियों से खेल के क्षेत्र में अपने परिवार, प्रदेश और देश का नाम रोशन करने का आह्वान किया।

समापन समारोह में मस्तुरी विधायक दिलीप लहरिया, छत्तीसगढ़ पाठ्य पुस्तक निगम के अध्यक्ष राजा पाण्डेय, अपर कलेक्टर शिव कुमार बनर्जी, संयुक्त संचालक शिक्षा संभाग बिलासपुर अश्वनी कुमार भारद्वाज, जिला शिक्षा अधिकारी श्रीमती वर्षा शर्मा, सहायक संचालक क्रीड़ा जी.डी. गर्ग, बीईओ बिल्हा भूपेंद्र कौशिक, मोहित जायसवाल और दीपक सिंह सहित जनप्रतिनिधि, अधिकारी-कर्मचारी एवं खेलप्रेमी बड़ी संख्या में मौजूद थे।

तीज के रंग में रंगा प्रेस क्लब, मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े ने रैंप वॉक कर बढ़ाया महिला पत्रकारों का उत्साह

रायपुर। रायपुर प्रेस क्लब में रविवार को आयोजित महिला पत्रकारों का तीज महोत्सव पारंपरिक उल्लास, उमंग और आत्मीयता के रंगों से सराबोर रहा। कार्यक्रम में महिला एवं बाल विकास मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े ने शामिल होकर महिला पत्रकारों का उत्साह बढ़ाया और तीज की खुशियों में सहभागी बनीं। उन्होंने महिला पत्रकारों के साथ विभिन्न गतिविधियों में हिस्सा लेने के साथ पारंपरिक छत्तीसगढ़ी अंदाज में रैंप वॉक भी किया। उनका सहज, आत्मीय और सादगीपूर्ण अंदाज आयोजन के प्रमुख आकर्षणों में रहा।

तीज महोत्सव में राज्यसभा सदस्य लक्ष्मी वर्मा और विधायक भावना बोहरा भी विशेष रूप से शामिल हुईं। भावना बोहरा ने महिला पत्रकारों के साथ रैंप वॉक कर कार्यक्रम की रौनक बढ़ाई, वहीं श्रीमती लक्ष्मी वर्मा ने भी रैंप पर अपनी प्रस्तुति देकर महिला पत्रकारों के साथ तीज की खुशियां साझा कीं। जनप्रतिनिधियों की इस आत्मीय सहभागिता से महिला पत्रकारों का उत्साह और बढ़ा।

पारंपरिक परिधानों में दिखा सादगी और आत्मविश्वास महोत्सव का सबसे खास आकर्षण रैंप वॉक रहा। महिला पत्रकारों ने पारंपरिक परिधानों में सादगी, सौंदर्य और आत्मविश्वास के साथ रैंप पर अपनी प्रस्तुति दी। वहीं श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े का सिर पर पल्लू लेकर पारंपरिक छत्तीसगढ़ी अंदाज में रैंप पर उतरना विशेष रूप से सराहा गया। इस दौरान पूरे परिसर में उत्साह और तालियों की गूंज सुनाई दी।

तीज महोत्सव के दौरान महिला पत्रकारों के लिए विभिन्न मनोरंजक खेल और प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं। महिला पत्रकारों ने उत्साहपूर्वक इनमें हिस्सा लिया और हंसी-मजाक तथा मस्ती के बीच आयोजन का आनंद लिया। प्रतियोगिताओं के दौरान प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन किया गया और उनकी प्रस्तुतियों का मूल्यांकन किया गया।

महिला एवं बाल विकास मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े ने कहा कि तीज छत्तीसगढ़ की समृद्ध सांस्कृतिक परंपरा और महिलाओं के उल्लास से जुड़ा महत्वपूर्ण पर्व है। रायपुर प्रेस क्लब द्वारा महिला पत्रकारों के लिए तीज महोत्सव का आयोजन सराहनीय पहल है।

मछली पालन, मुर्गी पालन और बागवानी को जोड़कर तैयार किया एकीकृत कृषि मॉडल

रायपुर। खेती में बदलाव केवल नई तकनीक से नहीं, बल्कि नई सोच से भी आता है। जशपुर जिले के ग्राम रतबा के युवा किसान अंकित लकड़ा ने इस बात को अपनी मेहनत और नवाचार से साबित किया है। कभी केवल बारिश के भरोसे धान की खेती करने वाले अंकित ने आज अपने खेत को मछली पालन, मुर्गी पालन, बागवानी और बहुफसली खेती से जोड़कर आय के कई स्रोत तैयार कर लिए हैं।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में किसानों को कृषि एवं संबद्ध गतिविधियों से जोड़कर उनकी आय के अवसर बढ़ाने के लिए संचालित योजनाओं का लाभ अंकित को भी मिला है। योजनाओं से मिली सहायता और अपनी मेहनत के बल पर उन्होंने पारंपरिक खेती को आधुनिक और बहुआयामी कृषि मॉडल में बदलने की दिशा में कदम बढ़ाया है।

अंकित लकड़ा बताते हैं कि पहले वे मुख्य रूप से बरसात के मौसम में धान की खेती करते थे। खेती से होने वाली आय को बढ़ाने के लिए उन्होंने कृषि और मत्स्य विभाग से जानकारी ली। इसके बाद उन्होंने अपने खेत में दो तालाब तैयार कराए और मछली पालन शुरू किया।

तालाब बनने के बाद उनके खेत की तस्वीर ही बदल गई। तालाब के पानी का उपयोग गर्मी के मौसम में सिंचाई के लिए होने लगा।

सीएम हेल्पलाइन में शिकायत से मनोज एक्का की जॉब कार्ड संबंधी समस्या का हुआ समाधान

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार नागरिकों की समस्याओं के त्वरित निराकरण और शासन की योजनाओं का लाभ पात्र हितग्राहियों तक पहुंचाने के लिए निरंतर प्रयास कर रही है। इसी दिशा में संचालित सीएम हेल्पलाइन आम नागरिकों की समस्याओं के समाधान का प्रभावी माध्यम बन रही है। सरगुजा जिले के अम्बिकापुर विकासखंड के ग्राम पंचायत मोहनपुर निवासी मनोज एक्का की जॉब कार्ड संबंधी समस्या का समाधान सीएम हेल्पलाइन में शिकायत दर्ज कराने के बाद किया गया।

मनोज एक्का ने बताया कि वे पूर्व में ग्राम सोनपुर कला में निवास करते थे, जहां उनका जॉब कार्ड बना हुआ था। बाद में वे मोहनपुर में घर-जमाई के रूप में रहने लगे। निवास स्थान बदलने के बाद मोहनपुर में उनका जॉब कार्ड उपलब्ध नहीं था। इसके कारण उन्हें वर्तमान निवास क्षेत्र में ग्रामीण रोजगार से जुड़ी प्रक्रिया का लाभ लेने में कठिनाई हो रही थी। स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसरों से जुड़ने के लिए जॉब कार्ड आवश्यक होने के कारण श्री एक्का ने अपनी समस्या के निराकरण के लिए सीएम हेल्पलाइन का सहारा लिया।

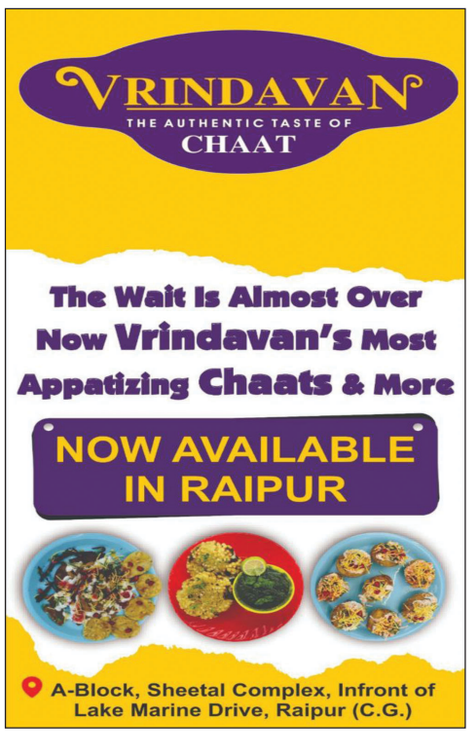

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक - **करण सिंह होरा** द्वारा आसमां पब्लिशर्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड. जयस्तंभ चौक रायपुर, जिला-रायपुर (छत्तीसगढ़) से मुद्रित कर लक्ष्मी निवास नल घर चौक, अहमद जी भाई कालोनी रायपुर, जिला रायपुर (छत्तीसगढ़) पिन-492001 से प्रकाशित. **संपादक- करन सिंह होरा** मो. - 9669000000 CHHBIL/2023/88684